27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 1

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

27 अक्टूबर 2025

सोमवार



बक्सर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन तैयारियों की कड़ी निगरानी

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

हर नागरिक को स्वस्थ रखकर ही विकसित देश बनेगा भारत : राजनाथ सिंह



यूपी के हर कोने में मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उत्तर प्रदेश में हर जिले, हर क्षेत्र में बेहतर अस्पतालों-मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो रही है। इससे लोगों को अपने आसपास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि अब लोगों को इलाज की सुविधा पाने के लिए दूर के बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। अब गोरखपुर हो या यूपी का कोई दूसरा इलाका, हर जगह बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है।

यूपी में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल बनने से लोगों को केवल स्वास्थ्य सुविधाएं ही नहीं मिल रही हैं, बल्कि इससे रोजगार का निर्माण भी हो रहा है। केवल एक अस्पताल बनने से पांच हजार लोगों तक को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे यूपी की तस्वीर बदल रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। डबल इंजन

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश के हर नागरिक को स्वस्थ रखकर ही 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाना अब तक गरीबों के लिए एक सपना था, लेकिन अब यह उनका अधिकार बन गया है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत हर परिवार को पांच लाख रुपये तक का इलाज कराने की सुविधा मिलने से अब गरीब परिवारों की सबसे बड़ी मुश्किल हल हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है तो यह हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराए बिना नहीं हो सकता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा। इसी तरह के भारत का सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था और हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज देश के कोने-कोने में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खुल रहे हैं। इसमें बेहतर सुविधाएं लोगों को मिल रही हैं। डॉक्टरों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इससे लोगों को अपने नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे की सेवा करने का भाव पीड़ा महसूस करके ही किया जा सकता है। आज स्वास्थ्य सुविधा लोगों का अधिकार बनकर उनके घरों तक पहुंच गई है। अब कोई गरीब किसी भी बीमारी के कारण अपने जीवन की उम्मीद नहीं खोएगा। देश के 10 करोड़ परिवारों को हर वर्ष पांच लाख रूपए के स्वास्थ्य बीमा का कवच प्रदान किया गया है। अब 70 वर्ष से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना में शामिल किया गया है।

पंजाब में 112 दवाओं पर प्रतिबंध, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की सख्त चेतावनी



एजेंसी । चडीगढ़

पंजाब सरकार ने राज्य में 112 दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है। ये दवाइयां केंद्रीय सरकार द्वारा जारी की गई सूची में अमानक बताई गई हैं। हाल ही में इन दवाओं के सेवन से कुछ लोगों की मौत की खबरें आई थीं। स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इन दवाओं को सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने अमानक घोषित किया है। पंजाब स्वास्थ्य विभाग ने इन दवाओं की बिक्री पूरी तरह से रोक दी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कृपया इन दवाओं का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। अगर कोई दवा दुकान पर इन दवाओं की बिक्री कर रहा है तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें। आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है सूची में हर दवा का नाम, बैच नंबर, निर्माण तिथि, कंपनी का नाम और टेस्ट रिपोर्ट की जानकारी दी गई है। दवाओं के अलावा, कुछ एनर्जी ड्रिंक्स और ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन पर भी स्वास्थ्य विभाग की निगरानी बढ़ा दी गई है। जिन दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई गई है।

मन की बात में पीएम मोदी ने दी छठ की शुभकामनाए

छठ महापर्व गहरी एकता का प्रतिबिंब : पीएम मोदी

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के जरिए देश को संबोधित किया। पीएम ने इस दौरान देशवासियों को त्योहारों की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठ का जिक्र करते हुए कहा कि छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। पीएम मोदी ने इस दौरान छत्तीसगढ़ और कर्नाटक का जिक्र किया। पीएम ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर की प्लास्टिक कचरा साफ करने की पहल गारबेज कैफे के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ष्ये ऐसे कैफे हैं, जहां प्लास्टिक का कचरा लेकर जाने पर भरपेट खाना खिलाया जाता है। अगर कोई व्यक्ति एक किलो प्लास्टिक लेकर जाए तो उसे दोपहर या रात का खाना मिलता है और कोई आधा किलो प्लास्टिक ले जाए तो नाश्ता मिल जाता है। ये कैफे



अंबिकापुर नगरपालिका चलाता है। इसी तरह पीएम ने बंगलूरू की एक खास पहल का जिक्र करते हुए कहा, ष्बंगलूरू को झीलों का शहर कहा जाता है और इंजीनियर कपिल शर्मा जी ने यहां झीलों को नया जीवन देने का अभियान शुरू किया है। कपिल की टीम ने बंगलूरू और आसपास के इलाकों में 40 कुओं और झीलों को फिर से जिंदा कर दिया है। खास बात तो यह है कि उन्होंने अपने मिशन में कॉरपोरेट्स और स्थानीय लोगों को भी जोड़ा है। पीएम मोदी ने जंगली जीवन की महत्ता बताते हुए आगे कहा कि गुजरात के वन विभाग ने मैनग्रोव के महत्व को समझते हुए खास मुहिम चलाई हुई है। पांच साल पहले वन विभाग की टीमों ने अहमदाबाद के नजदीक धोलेरा में मैनग्रोव लगाने का काम शुरू किया था, और आज धोलेरा तट पर साढ़े तीन हजार हेक्टेयर में मैनग्रोव फैल चुके हैं। इनका असर आज पूरे क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। वहां के ईको सिस्टम में डॉल्फिनों की संख्या बढ़ गई है। केकड़े और दूसरे जलीय जीव भी पहले से ज्यादा हो गए हैं।

रन फॉर यूनिटी में शामिल होने की अपील की

सरदार पटेल आधुनिक काल में राष्ट्र की सबसे महान विभूतियों में से एक रहे हैं। उनके विराट व्यक्तित्व में अनेक गुण एक साथ समाहित थे। गांधी जी से प्रेरित होकर सरदार पटेल ने खुद को स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह समर्पित कर दिया। ह्यखेड़ा सत्याग्रहश से लेकर श्बोरसद सत्याग्रहश तक अनेक आंदोलनों में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। अहमदाबाद नगरपालिका के प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल भी ऐतिहासिक रहा था। उन्होंने स्वच्छता और सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में उनके योगदान के लिए हम सभी सदैव उनके ऋणी रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा, ष्सरदार पटेल ने भारत के नौकरशाही के ढांचे की एक मजबूत नींव भी रखी। देश की एकता और अखंडता के लिए उन्होंने अद्वितीय प्रयास किए। मेरा आप सबसे आग्रह है, 31 अक्तूबर को सरदार साहब की जयंती पर देशभर में होने वाली रन फॉर यूनिटी में आप भी जरूर शामिल हों।

कोरापुट कॉफी का भी जिक्र किया

पीएम ने इसके बाद कोरापुट कॉफी को लेकर बात की। उन्होंने कहा, ष्मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद गजब होता है, और इतना ही नहीं, स्वाद तो स्वाद, कॉफी की खेती भी लोगों को फायदा पहुंचा रही है। कोरापुट में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने जुनून की वजह से कॉफी की खेती कर रहे हैं। मोदी ने आगे कहा कि दुनिया-भर में भारत की कॉफी बहुत लोकप्रिय हो रही है। चाहे कर्नाटका में चिकमंगलुरु, कुर्ग और हासन हो। तमिलनाडु में पुलनी, शेवरॉय, नीलगिरी और अन्नामलाई के इलाके हों, कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर बिलिगिरि क्षेत्र हो या फिर केरला में वायनाड, त्रावणकोर और मालाबार के इलाके। भारत की कॉफी की डायवर्सिटी देखते ही बनती है।



बॉयलर फटने से फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 2 मजदूरों की मौत, 5 घायल

एजेंसी । सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली औद्योगिक दुर्घटना की खबर सामने आई है। जिले के शेखपुरा कदीम क्षेत्र स्थित एक टायर से तेल निकालने वाली फैक्ट्री में अचानक बॉयलर फटने से जोरदार धमाका हुआ। धमाके के बाद आग इतनी भयंकर थी कि फैक्ट्री के कई हिस्से जलकर खाक हो गए। हादसे में 2 मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्ट्री में उस समय करीब 10 से 12 मजदूर काम कर रहे थे। अचानक बॉयलर से तेज आवाज के साथ धमाका हुआ और तेल के टैंक में आग फैल गई। कुछ मजदूर समय रहते बाहर निकल गए, लेकिन कई अंदर फंस गए। आवाज इतनी तेज थी कि कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास के लोग जब फैक्ट्री की ओर दौड़े, तो वहां लपटें आसमान छू रही थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां आग बुझाने में लगीं और लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। एसपी सिटी ने बताया कि राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया था। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जबकि घायलों का सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदला

एजेंसी । औरंगाबाद

महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर का नाम बदलने के तीन साल बाद, सेंट्रल रेलवे ने औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का आधिकारिक नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' कर दिया है। ऑनलाइन टिकट और आरक्षणों में इस्तेमाल होने वाला स्टेशन का नया कोड होगा। यह स्टेशन साउथ सेंट्रल रेलवे के नांदेड़ डिवीजन के अंतर्गत आता है। गौरतलब है कि भाजता नेता और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने विगत 15 अक्तूबर को इसका नाम बदलने का गजट नोटिफिकेशन जारी किया था। तीन साल पहले तत्कालीन सरकार ने औरंगाबाद शहर का नाम छत्रपति संभाजीनगर किया था। ये फैसला छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा राज्य के दूसरे शासक छत्रपति संभाजी के सम्मान में लिया गया। औरंगाबाद का नाम पहले मुगल सम्राट औरंगजेब के नाम पर रखा गया था। इतिहासकारों के मुताबिक औरंगाबाद रेलवे स्टेशन 1900 में हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में खोला गया था। छत्रपति संभाजीनगर एक पर्यटन केंद्र है और अजंता और एलोरा की गुफाओं सहित कई ऐतिहासिक स्मारकों से घिरा हुआ है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की इकाई-यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है।

हवाओं की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका

आंध्र प्रदेश, बंगाल और तमिलनाडु में चक्रवात मोंथा का खतरा

एजेंसी । नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात मोंथा के चलते आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तमिलनाडु में अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 28 से 31 अक्तूबर के बीच भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार 28 अक्तूबर की शाम काकीनाडा के पास मछिलीपट्टनम और कालिंगपट्टनम के बीच आंध्र तट को पार कर सकता है। इस दौरान हवाओं



की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका है। आंध्र प्रदेश सरकार ने राहत, खाद्यान्न, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को अलर्ट कर दिया है। राज्य के सभी सरकारी दुकानों में 26 अक्तूबर तक खाद्यान्न की आपूर्ति पूरी कर ली गई है। मंडल स्तर पर पर्याप्त स्टॉक रखा गया है। अन्य राज्यों ने भी राहत व जरूरी सामानों की आपूर्ति की तैयारियां पूरी कर ली हैं। ओडिशा सरकार ने राज्य में आपदा प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी हैं। मौसम विभाग ने राज्य के सभी 30 जिलों में 28 अक्तूबर से लगातार तीन दिन तक भारी बारिश होने का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं पश्चिम बंगाल को लेकर मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से दक्षिण 24 परगना, झारग्राम, पूरबा (पूर्व) और पश्चिम (पश्चिम) मिदनापुर जिलों के कुछ इलाकों में तेज बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

गुजरात-महाराष्ट में बेमौसम बरसात

इस बीच अरब सागर में बने कम दबाव के असर से रविवार को गुजरात के कई इलाकों में बेमौसम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। पिछले 34 घंटों में नवसारी में सबसे अधिक 157 मिमी वर्षा हुई।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि नवसारी, वलसाड, अमरेली, जूनागढ़, भावनगर और गिर सोमनाथ जिलों में अगले कुछ दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।



27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 2

विस्मृति में दबा सूर्य उपासना का प्राचीन केंद्र देवढ़िया का सूर्य मंदिर, पर्यटन का इंतजार

■ **दीपावली की खुदाई में मिली थीं मूर्तियां, पोखरे में छिपा है इतिहास, हर छठ पर उमड़ती भीड़, पर विकास के वादे धरे रह जाते हैं**

रजनीकांत दूबे/बक्सर

बक्सर के राजपुर प्रखंड के देवढ़िया गांव में सूर्य उपासना का एक ऐसा केंद्र मौजूद है, जिसके महत्व से कम ही लोग वाकिफ हैं। कहते हैं कि यहां की आस्थाओं का सूर्य हर वर्ष छठ पर्व पर हजारों श्रद्धालुओं को नई रोशनी देता है। फिर भी यह मंदिर विकास की अंधेरी सुरंग में फंसा हुआ है, पर्यटन स्थल का दर्जा अब तक सपना ही बना हुआ है।

मंदिर का इतिहास पलटिए तो यह जगह सिर्फ पूजा-अर्चना का केन्द्र नहीं, बल्कि एक पुरातात्विक रहस्य भी समेटे है। स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि औरंगजेब के शासनकाल में मूर्तियों को खंडित कर इस पोखरे में फेंक दिया गया था। समय बीता, और वर्षों तक यह कथा धुंध की तरह तैरती रही। फिर एक दीपावली, जब ग्रामीण पोखरे की मिट्टी निकाल रहे



थे, तो इतिहास ने खुद को सामने ला खड़ा किया। भगवान भास्कर और हनुमान की प्राचीन मूर्तियां निकल आईं। उसी पल से ग्रामीणों की श्रद्धा और उम्मीद दोनों को फिर से पंख मिले। पुनः निर्माण का बीड़ा गांव ने उठाया और इस सूर्य मंदिर को फिर से अपनी पहचान मिलनी शुरू हुई। पोखरे की खुदाई में सात पुराने कुएं मिलने से इसका ऐतिहासिक महत्व और पुष्ट हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थल ग्रामीण पर्यटन और विरासत संरक्षण की दृष्टि से बहुमूल्य है, लेकिन सच्चाई इसके ठीक उलट दिखाई देती है। आज जब आप मंदिर परिसर में कदम रखेंगे तो सबसे ज्यादा आंखों में चुभता है, अधूरा विकास, साफ-सफाई का अभाव, प्रकाश व्यवस्था गायब, शौचालय और पेयजल की कमी तथा सुरक्षा इंतजाम नाम मात्र के। इतनी परेशानियों के बावजूद छठ महापर्व पर आस्था की भीड़ उमड़ती है। उत्तर प्रदेश, झारखंड, गाजीपुर, रोहतास और आरा सहित कई जिलों से व्रती यहां अर्घ्य देने आते हैं। पोखरा और मंदिर का नैसर्गिक सौंदर्य उन्हें वर्षों से खींचता आ रहा है, पर यह प्यार एकतरफा है, सरकार की नजरें अब तक नहीं पड़ीं। 2017 में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजपुर आए थे तो ग्रामीणों को लगा कि अब विकास तय है। 2019 में पुरातत्व विभाग और अफसरों ने सर्वे भी किया, इसे ग्रामीण पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कह दी। मगर रिपोर्टें फाइलों में कैद रह गईं, काम जमीन पर नहीं उतरा। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव आते ही वादों की रोशनी तेज हो जाती है, पर उसके बाद फिर वही अंधेरा। इतिहास बताता है कि यह धरोहर मिट्टी में दबकर भी खुद को बचाए रखती है। आस्था दिखाती है कि श्रद्धा लाख कठिनाइयों के बावजूद यहां से मुंह नहीं मोड़ती, लेकिन अब सवाल है कि क्या सरकार भी यहां अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। स्थानीय लोग साफ कहते हैं कि पर्यटन स्थल का दर्जा मिल जाए तो रोजगार बढ़ेगा, गांव की किस्मत बदल जाएगी। देवढ़िया सूर्य मंदिर सिर्फ पूजा का स्थान नहीं, यह बिहार की गौरवशाली विरासत है। अब बस इंतजार है उस दिन का जब यह मंदिर श्रद्धा के साथ-साथ विकास का सूर्य भी उगते हुए देख सकेगा।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मतदाताओं को निर्भीक मतदान का भरोसा दिलाया

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन तैयारियों की कड़ी निगरानी



केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा आम निर्वाचन-2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्वक एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बक्सर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में रविवार को बक्सर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से बक्सर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित स्थिर निगरानी दल (एसएसटी) जांच चौकियों का उच्च स्तरीय निरीक्षण किया। निरीक्षण अभियान चौसा प्रखंड के महत्वपूर्ण स्थलोंकृपंजरवा पुल, देवल पुल तथा चौसा मुख्य जांच चौकी पर केन्द्रित रहा। निरीक्षण के दौरान अपर जिला दण्डाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी भी साथ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों के प्रत्येक पहलू का गहन मूल्यांकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-- वाहनों की सघन जांच और संदेहास्पद गतिविधियों पर पैनी नजर

जिलाधिकारी ने एसएसटी दलों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रत्येक जांच चौकी पर वाहनों की कड़ी जांच की जाए। अवैध धनराशि, शराब, हथियार, मादक पदार्थ या किसी भी प्रकार की प्रलोभन सामग्री की आवाजाही पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाए।

उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का सख़्ती से पालन कराया जाएगा तथा इस दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले की सभी सीमाओं पर 24 घंटे सतत गश्ती एवं निगरानी जारी रहेगी। पुलिस की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी अवैध गतिविधि को चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का अवसर न मिले।

तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्थाओं को और मजबूती का निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी चेक पॉइंट्स पर उपलब्ध सुरक्षा एवं निगरानी साधनों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय रहें। प्रत्येक कर्मी के पास शरीर पर धारण किए जाने वाले कैमरे (बॉडी वॉर्न कैमरे) उपलब्ध हों। लॉगबुक अद्यतन रखी जाए तथा पर्याप्त बल एवं उचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक एसएसटी दल से समय-समय पर प्रतिवेदन प्राप्त कर समीक्षा की जाएगी, जिससे किसी भी कमी को तत्काल दूर किया जा सके।

संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता

जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। आवश्यकतानुसार वहां विशेष सुरक्षा बल की तैनाती भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनियमितता की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई की जाएगी ताकि मतदाता निर्भय होकर अपने मतदान अधिकार का प्रयोग कर सकें।

शांतिपूर्ण और निर्भीक मतदान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि मतदान प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष हो। किसी भी मतदाता को भय या दबाव के माहौल में मतदान नहीं करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने आम मतदाताओं से भी अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि बक्सर के प्रत्येक नागरिक का वोट मूल्यवान है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर व्यक्ति निर्भीक होकर मतदान कर सके। मौके पर जिलाधिकारी व एसपी के साथ अपर जिला दण्डाधिकारी, बक्सर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव पांडेय आदि मौजूद थे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में डोर-टू-डोर कैंपेन चला रही है युवा मोर्चा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह को जिताने के लिए भाजपा युवा मोर्चा ने कमर कस लिया है। मोर्चा के जिला प्रवक्ता मनीष मिश्रा के नेतृत्व में रविवार को भी मोर्चा की टीम ने विस क्षेत्र के नंदन, अरियांव, लानखनडिहरा आदि गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया तथा लोगों से जदयू प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की।

मनीष ने बताया कि इस दौरान लोगों को एनडीए सरकार के विकास कार्यों तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विजन को बता उनसे एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की जा रही है।

मनीष ने कहा कि एनडीए के पिछले दो दशक के साशन में बिहार व बिहारियों की पहचान बदल गई है। अब बिहारी कहना गर्व की बात बन गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन तथा उनके द्वारा अगले पांच वर्ष के लक्ष्यों की घोषणा के बाद से लोगों में एनडीए के प्रति जबर्दस्त उत्साह है।

उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ डुमरांव विधायक के पांच वर्षों के कार्यकाल से क्षेत्र की जनता उब चुकी है तथा उन्हें इस बार सबक सिखाने की मूड बना चुकी है।

जन संपर्क के दौरान उनके साथ चाणक्य कुमार, विकास चौबे, धीरज पाठक, वियजकांत दूबे समेत युवा मोर्चा के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

रंगकर्मी एवं गंगासेवी सतीश मनमीत की पहल से बदली घाट की सूरत

■ **साफ-सफाई से लेकर शीतल जल तक की हुई समुचित व्यवस्था**

केटी न्यूज/बक्सर

लोक आस्था के महापर्व छठ में जहां प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हैं, वहीं अपने दम पर समाजसेवा की मिसाल पेश कर रहे रंगकर्मी एवं गंगासेवी सतीश श्रीवास्तव ह्यमनमीतह्न इस वर्ष भी स्थानीय गोला घाट को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाए रखने में जुटे हैं। श्री गंगा सेवा समिति की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि वर्ष 1998 से लगातार, बिना किसी चंदा और निस्वार्थ भाव से छठ व्रतियों के लिए निःशुल्क व्यवस्था की परंपरा जारी है। उन्होंने बताया कि इस बार भी गोला घाट पर साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा, शीतल जल, आम का दातुन/पल्लव, अर्घ्य के लिए गाय का दूध तथा चाय सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस सामाजिक अभियान में उनके परिवारजनों, मित्रों, मोहल्लेवासियों और शुभचिंतकों का भी अहम सहयोग मिलता रहा है। मनमीत ने बताया कि वर्ष 1998 से पूर्व गोला घाट की स्थिति काफी दयनीय थी। गंदगी और अंधेरे के कारण श्रद्धालुओं को हर बार परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने इस समस्या की जानकारी कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को दी, पर सुनवाई न होने पर स्वयं ही पहल करने का निश्चय किया। दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने घाट पर भगवान सूर्य की तस्वीर रख पूजा प्रारंभ कर व्रतियों को समर्पित सेवा अभियान की शुरूआत की। समय के साथ सेवा का दायरा भी बढ़ता गया। वर्ष 2007 से यहां भव्य सजावट के साथ भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित की गई और महाप्रसाद वितरण भी शुरू हुआ। आज दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु गोला घाट पहुंचते हैं और पूजा की भव्यता को निहारते हैं।

सिर्फ छठ तक सीमित न रहकर, मनमीत हर रविवार यहां साफ-सफाई अभियान एवं गंगा स्वच्छता जागरूकता गतिविधियाँ भी चलाते हैं। विशेष अवसरों पर गंगा महाआरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वृक्षारोपण और सेमिनार का आयोजन कर जनमानस को मां गंगा की निर्मलता हेतु प्रेरित किया जाता है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर


सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

छठ महापर्व की तैयारियों का बक्सर प्रशासन ने लिया जायजा, सुरक्षा-स्वच्छता पर विशेष जोर

केटी न्यूज/बक्सर

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर पंचायत चौसा द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप देने की दिशा में व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में रविवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव पांडेय, कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी, अंचलाधिकारी नीलेश कुमार, थानाध्यक्ष शंभू भगत एवं चौसा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि डॉ. मनोज कुमार यादव सहित अधिकारियों की टीम ने महादेवा घाट से रानी घाट तक नाव द्वारा छठ घाटों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने साफ-सफाई,



बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा से जुड़े कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि आज शाम तक सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालु एवं व्रतीजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि छठ बिहार की पहचान है, इसलिए सभी विभाग समन्वित तरीके से काम करें और पर्व के सफल आयोजन में कोई कमी न रहे। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि सभी घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती होगी। ड्रोन कैमरों से निगरानी और पेट्रोलिंग दल सक्रिय रहेंगे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना न रहे।

मुख्य पार्षद प्रतिनिधि डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि नगर पंचायत द्वारा छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

निरीक्षण के पश्चात अधिकारियों ने शेरशाह व हुमायूं के बीच हुए युद्ध स्थल का भी अवलोकन किया। इस दौरान नगर पंचायत चौसा के वार्ड पार्षदों सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय अधिकारी उपस्थित रहे।



27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 3

खरना संपन्न, आज व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को आज अर्पित की जाएगी अर्घ्य

मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ ही संपन्न होगा लोक आस्था का महापर्व

- खरना का प्रसाद ग्रहण कर व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास शुरू
- छठमय हुआ बाजार, पूरे दिन होते रही कलसूप, दौरा, फल, महावर समेत जरूरी समानों की खरीददारी





केटी न्यूज/डुमरांव

चारदिवसीय महापर्व छठ का पहला अर्घ्य आज अर्पित किया जाएगा। व्रती महिलाएं सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दे व्रत के विधानों को पूरा करेंगी। इसके पूर्व लोक आस्था के इस महापर्व के तहत व्रतियों द्वारा खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास शुरू किया गया। सुबह से ही व्रती परिवारों में खरना को लेकर विशेष उत्साह था तथा व्रती पूरे दिन उपवास रह शाम में आम की लकड़ी पर गाय के दूध, गुड़ व नये चावल की खीर तथा गेहूं के आटे की रोटी बना प्रसाद ग्रहण किया तथा पूरे परिवार को भी ग्रहण कराया। इसके साथ ही उनका उपवास शुरू हो गया है, जो मंगलवार को दूसरे अर्घ्य के साथ पूरा होगा। खरना को ले व्रतियों में विशेष उत्साह देखा गया। वहीं, खरना का प्रसाद ग्रहण करने के लिए लोगों में दिलचस्पी थी। खरना के प्रसाद को काफी शुभ माना जाता है।

छठमय बना रहा बाजार, पूरे दिन चला खरीददारी का दौर

लोक आस्था के इस महापर्व को लेकर बाजार पूरे दिन गुलजार रहा। व्रति परिवारों द्वारा कलसूप, दौरा, महावर, फल, दिया, नये कपड़े समेत छठ पूजा में काम आने वाले अन्य सामानों की पूरे दिन खरीददारी की गई। आलम यह था कि राजगोला रोड, चौक रोड, स्टेशन रोड, शहीद पार्क रोड आदि में सिर्फ फल, कलसूप तथा छठ पूजा में उपयोग होने वाले सामग्रियों की दुकानें ही नजर आ रही थी। छठ को लेकर सैकड़ो अस्थायी दुकानें खुल गई है। जिस कारण रविवार को पूरे दिन बाजार में पैदल चलना भी मुश्किल साबित हो रहा था। सुबह से लेकर देर रात तक यही सिलसिला जारी रहा। सोमवार को भी बाजार में भीड़ उमड़ने की उम्मीद दुकानदारों को है। छठ को लेकर अच्छी बिक्री होने से दुकानदारों में हर्ष का माहौल था।

छठ घाटों पर बिखरेगी दुधिया रौशनी, चकाचक हुआ शहर

सोमवार को होने वाले पहले अर्घ्य के पर नगर के सभी छठ घाटों पर दुधिया रौशनी बिखरेगी। पूर्व संध्या तक नगर परिषद प्रशासन के साथ ही विभिन्न जगहों की छठ पूजा समितियों द्वारा घाटों की साफाई, रंग रोगन, झालर व रंगनी लाईट लगाने का काम युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा था। इसके अलावे घाटों तक पहुंचने वाले मार्ग की सफाई, उस पर चूना व ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव का काम पूरा कर लिया गया था। सोमवार को दोपहर के पहले तक संपर्क पथों पर कालीन बिछाने का काम भी किया जाएगा। इसके अलावे भी कई अन्य तैयारियां पूजा समितियों द्वारा की जा रही थी। डुमरांव नगर परिषद के ईओ राहुल धर दूबे ने बताया कि छठ घाटों की सफाई का काम पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी चिन्हित घाटों पर सफाई के साथ ही लाईट की व्यवस्था की गई है। इसके अलावे सुरक्षा के लिहाज से बैरेकेडिंग भी कराई गई है तथा चिन्हित घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोर, नाव, मेडिकल टीम, एंबुलेंस आदि की व्यवस्था की गई है। वहीं, छठ को लेकर प्रशासन भी अलर्ट मोड में है सभी चिन्हित घाटों पर मजिस्टेज्ट के नेतृत्व में पुलिस बल तथा क्वीक रिस्पांस टीम की तैनाती की गई है।

आकर्षण का केन्द्र रहेगा छठिया पोखरा

छठ के लिए डुमरांव नगर परिषद द्वारा 18 घाटों को चिन्हित किया गया है, लेकिन आकर्षण का केन्द्र ऐतिहासिक छठिया पोखरा ही रहेगा। बता दें कि इस तालाब के किनारे छठ पर्व करने का विशेष महत्व रहता है। यही कारण है कि करीब 50 हजार परिवार छठिया पोखरा के किनारे छठ करते है। प्रशासन का फोकस भी इसी जगह रहता है। बताया जाता है कि छठिया पोखरा पर छठ करने के लिए डुमरांव के अलावे बड़ी संख्या में दूसरे शहरों तथा आस पास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी आते है।

जल संरक्षण और प्रकृति से आत्मीय जुड़ाव का संदेश देता है छठ

ब्रह्मपुर। छठ पूजा की पूर्व सन्ध्या पर सूर्य पूजा समिति तुलसी स्थान एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि दक्षिण बिहार प्रांत के कार्यकताओं ने तुलसी आश्रम रघुनाथपुर स्थित तालाब की साफ सफाई कर जलस्त्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि दक्षिण बिहार के जनसंवाद सह प्रमुख शैलेश ओझा ने जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं जल संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि मानव और प्रकृति के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है। यह पूजा किसी भव्य मंदिर या धार्मिक स्थल पर नहीं बल्कि प्रकृति की गोद में गंगा तट, नदी, तालाब या पोखर के किनारे स्वच्छ जल में संपन्न होती है। आज जब नदियों और तालाबों में बढ़ता प्रदूषण जीवन के लिए खतरा बन चुका है तब छठ पूजा हमें जल को पवित्र और स्वच्छ रखने का प्रेरणा देता है। गौरतलब है कि तुलसी आश्रम स्थित तालाब छठ पूजा के लिए ग्रामीणों की आस्था का एक प्रमुख केंद्र है हर साल हजारों की संख्या में लोग यहां छठ पूजा करने आते हैं लेकिन तालाब की बदहाली ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। आस्था का प्रमुख केंद्र होने के बावजूद प्रशासनिक और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता की वजह से यह पवित्र तालाब उपेक्षित है। प्रशासन द्वारा छठ पूजा पर भी इसकी साफ सफाई की व्यवस्था नहीं की जाती है। सूर्य पूजा समिति एवं कुछ जागरूक स्थानीय युवाओं द्वारा छठ पूजा के अवसर पर ही इस तालाब की साफ सफाई की जाती है। कच्चे घाट, कटाव, और फिसलन होने की वजह से यहां छठ व्रतियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार कभी गोस्वामी तुलसीदास जी ने यहां प्रवास किया था और यहीं तालाब के किनारे कुटिया में प्रवास के दौरान उन्होंने उत्तराकांड की रचना की थी बावजूद इसके धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इस जगह का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष 2021- 22 में छह लाख चौवन हजार की लागत से तालाब का सौंदर्यीकरण और पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य हुआ था। तालाब के उतरी भाग में ग्राम पंचायत विकास निधि से तालाब के उतरी भाग में पक्के घाट का निर्माण कराया गया था मगर तालाब के ज्यादातर भाग में अभी कच्चा घाट ही है जिससे छठ व्रतियों को काफी परेशानी होती है। रघुनाथपुर के तत्कालीन मुखिया स्वर्गीय श्रीराम ओझा के प्रयासों से पहली बार तुलसी पथ का पक्कीकरण करवाया गया था। इस पथ का 1.2 किलोमीटर हिस्सा पथ निर्माण विभाग बिहार सरकार द्वारा अनुरक्षित किया जाता है जिसकी सीमा तुलसी आश्रम से 300 मीटर पहले समाप्त हो जाती है। इसके बाद का हिस्सा पूरी तरह जर्जर और उपेक्षित है। सूर्य पूजा समिति, तुलसी स्थान से जुड़े शैलेश ओझा, सनोज कुमार, विशाल सिंह, आनंद शर्मा, अनिरुद्ध कुमार, ओमजी, रविन्द्र कुमार आदि ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान इसी रास्ते से छठव्रती भुईपरी करते हुए तुलसी आश्रम स्थित तालाब तक जाते हैं। पिछले कई वर्षों से छठ पूजा समिति द्वारा पूजा के दौरान इस सड़क पर मिट्टी डालकर गड्ढे को भरा जाता है साथ ही पुलिया पर बांस द्वारा अस्थाई रेलिंग बनाकर सुरक्षित किया जाता है। बार बार गुहार के बाद भी प्रशासन और जनप्रतिनियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

एक नजर

केसठ में खरना कर छठ व्रतियों ने किया प्रसाद ग्रहण, पहला अर्घ्य आज



केसठ। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शनिवार से ही नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। व्रत रखने वाली श्रद्धालु महिलाओं ने नहाय-खाय कर रविवार को खरना किया। व्रतियों ने स्नान ध्यान कर पुजा अर्चना की। इन व्रतियों ने स्वयं प्रसाद बनाकर ग्रहण कर घर-घर प्रसाद वितरण किया। इसके बाद छठ व्रती अर्घ्य देने की तैयारी में जुट गईं हैं। वही सोमवार को भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य और मंगलवार को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। इस दौरान पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर बाजार में काफी भीड़ देखी गई। छठ व्रती अपनी मनोकामना पूर्ण,सुख और शांति के लिए छठ का व्रत रखकर सूर्य भगवान की पूजा अर्चना करती हैं। महिलाएं छठ पर्व पर व्रत रखने की तैयारी कर रहीं हैं। छठ के लोक गीतों से घर आंगन और बाजार गुलजार हो गया है।छठ माहापर्व के केरवा पात पर नेवता पेठवनी समेत अन्य छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्ति में बन गया है।

छठ पूजा की तैयारियां पूरी, प्रखंड क्षेत्र के घाट श्रद्धा और भक्ति से सजकर तैयार

केसठ। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में तैयारी का कार्य अब पूर्ण हो गया है। श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर की आराधना के इस पावन पर्व के लिए घाटों की सफाई, सजावट और वेदी निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राचीन तालाब, नया बाजार राजवाहा नहर और मिठाइयां पुल के समीप बने घाटों को फूलों, केले के पत्तों और रंगीन लाइटों से सजाया गया है।ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं ने मिलजुलकर जलाशयों को पूजा योग्य बनाया है। प्रखंड प्रशासन की ओर से सुरक्षा, रोशनी और साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था कर दी गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। छठ पूजा सेवा समिति प्रखंड परिसर पोखरा के अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि सभी प्रमुख घाटों पर सजावट और सुरक्षा व्यवस्था का कार्य पूरा कर लिया गया है।व्रतधारी महिलाएं अब संध्या अर्घ्य की तैयारी में जुट गई हैं, जबकि पुरुष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर अंतिम व्यवस्था देख रहे हैं। पूरा क्षेत्र छठ गीतों की गूंज और भक्ति के रंग में रंग गया है। सूर्योपासना का यह पर्व पूरे प्रखंड में आस्था, उमंग और एकता का संदेश बिखेर रहा है।

आस्था का महान पर्व छठ पूजा की तैयारी पूर्ण, सोमवार को सूर्य भगवान को पड़ेगा पहला अर्घ्य

डुमरांव। आस्था के महान पर्व छठ पूजा को लेकर नगर परिषद द्वारा चिन्हित 18 घाटों को पूजा के लिये तैयार कर लिया गया है। वही घाटों पर स्थानीय पूजा समिति भी अपने-अपने कार्यों को बांट उसे अंजाम देने में लग गई है। डुमरांव शहर एवं विस्तारित क्षेत्र के 18 घाटों पर स्थानीय पूजा समिति पहले से काम करती चली आ रही है। इस वर्ष भी पूरे जोश के साथ समिति के कार्यकर्ता अपनी जिम्मेवारी निभाने में मशगुल हो गए हैं। इन समितियों में पंचवटी कला निकेतन छठिया पोखरा की सफाई की जिम्मेवारी सौंपी गई है। वहीं नवयुवक सुरक्षा समिति ने भगवान भाष्कर सहित अन्य देवि-देवताओं के मूर्ति निर्माण कराएगा। उसी तरह से नवोदय कला मंच चतुरशाल गंज की तरफ से लाइट की व्यवस्था के साथ सुरक्षा के लिये बारकेडिंग और सफाई की जिम्मेवारी निभाएगी। नगर परिषद भी सभी छठ घाटों की सफाई, तलाब, नहर या नदी में होने वाले घाटों की सफाई कराएगा। फिर सुरक्षा के लिये तलाबों में लाल घेरा बनाकर उसके पार जाने के लिये प्रतिबंधित करेगा। फिर बिजली व्यवस्था, तोरणद्वार, बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं घार छठ घाटों पर चेंजिंग रूम चार बनाए गए हैं, जिससे व्रतियों या परिवार के लोगों को स्नान करने के बाद कपड़ा बदलने में कोई परेशानी नहीं होगी। इतना ही नहीं एसडीओ राकेश कुमार ने हर छठ घाट पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल को तैनात रखने के लिये संबंधित अधिकारी को आदेशित कर दिया है।

छठ पूजा को लेकर नया बाजार केसठ में उमड़ी भीड़, महंगाई हुई बेअसर

- खरीदारी से गुलजार रहा बाजार, देर शाम तक रही रौनक



केटी न्यूज/केसठ

छठ महापर्व को लेकर रविवार को प्रखंड मुख्यालय के नया बाजार में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। बाजार में सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर तरफ पूजा सामग्री, फल-फूल, नारियल, ईख और प्रसाद की खरीदारी करते श्रद्धालु नजर आए। बढ़ी हुई कीमतों का असर लोगों की श्रद्धा पर बिल्कुल भी नहीं दिखा। महंगाई बेअसर रही और लोगों ने जमकर खरीदारी की।स्थानीय दुकानदारों के चेहरे पर रौनक थी। बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार खरीदारों की संख्या कहीं अधिक रही है। एक दुकानदार ने बताया कि फल और पूजा सामग्री की कीमतों में इस बार थोड़ी बढ़ोतरी हुई है, फिर भी लोगों ने श्रद्धा से खरीदारी की। बाजार में सेब, केला, संतरा, नारियल, ईख और नींबू की खूब मांग रही। वहीं छठ घाटों पर सजावट के लिए दीया, डालिया, सूप और बांस के बने सामानों की बिक्री भी जोरों पर रही।महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजे-धजे बाजार में खरीदारी करती नजर आईं। शाम होते-होते नया बाजार पूरी तरह छठमय हो गया। जगह-जगह भीड़ के बीच पुलिस और प्रशासन के लोग भी मुस्तैद दिखे ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।लोगों में छठ पर्व को लेकर उत्साह चरम पर है। कहा जा सकता है कि केसठ का बाजार इस बार श्रद्धा, भक्ति और आस्था के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया।



डुमरांव का जाम, विकास की तस्वीर या कागजों में सिमटी योजनाओं की पोल

- निवर्तमान विधायक की मुश्किलें बढ़ा सकती है सड़क निर्माण में विलंब व जाम जैसी समस्याएं
- छठ पर्व पर बढ़ा दबाव, पर समस्या की जड़ वर्षों से अनदेखी; बाईपास निर्माण ठप और व्यवस्था केवल वीआईपी मूवमेंट पर ही रहती है चुस्त



केटी न्यूज/डुमरांव

लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व की चहल-पहल ने डुमरांव की सड़कों पर रौनक बढ़ा दी है, पर इसी भीड़ ने शहर की एक पुरानी सच्चाई फिर उजागर कर दी है, डुमरांव की ट्रैफिक व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। रविवार को प्रखंड कार्यालय से लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा तक दिनभर जाम लगा रहा, और यह हालात शहर की उसी कमजोरी की ओर इशारा करता है, जिसे प्रशासन वर्षों से नजरअंदाज करता आया है। ऐसा नहीं कि सिर्फ छठ के दौरान ही यह समस्यां देखने को मिल रही है बल्कि दुगार्पूजा व दीपावली जैसे हिन्दुओं प्रमुख त्योहारों में भी कुछ ऐसा ही नजारा था। त्योहारी सीजन में गंभीर हो चुकी इस समस्या से आम आवाम, वाहन चालाकों, पैदल यात्रियों, छात्र-युवाओं तथा व्यवसायियों सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आसन्न विधान सभा में डुमरांव की उखड़ चुकी टैजफिक व्यवस्था निवर्तमान विधायक की मुश्किलें बढ़ा सकती है। जानकारों का कहना है कि हर दिन जाम की समस्या झेल रहे लोगों तथा टैजफिक व्यवस्था ध्वस्त होने से डुमरांव के व्यवसायियों को पहुंच रहा नुकसान का आक्रोश यदि वोट में तब्दील हो जाए तो निवर्तमान विधायक का बोरिया बिस्तर बंधना तय है।

हर दिन जाम, हर बार वही शिकायत

स्थानीय लोग बताते हैं कि जाम अब डुमरांव की पहचान बन चुका है। किसी के ऑफिस का समय निकल जाता है, तो कोई अस्पताल जाने से पहले ही सड़क पर फंस जाता है। छठ की खरीदारी में आए लोगों को मात्र दो किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों का समय लग रहा था। आसपास के क्षेत्रों, लालगंज कड़वी, स्टेशन रोड, चाणक्य कॉलोनी, खिरौली से आने वाले लोग तो मजबूरी में डुमरांव से दूरी बनाने लगे हैं। जाम लगने से व्यवसाय पर भी असर दिख रहा है। दुकानदारों का कहना है कि ग्राहक रास्ते में ही थककर लौट जा रहे हैं या बक्सर और अन्य बाजारों का विकल्प चुन रहे हैं।

वीआईपी के आने से होती है चमत्कारिक सुधार

शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनसभा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था बिल्कुल अनुशासित दिखी। हर चौराहे पर पुलिस बल, बैरिकेडिंग, और सुचारू यातायात, परंतु जैसे ही मुख्यमंत्री प्रस्थान कर गए, व्यवस्था में वही ढिलाई लौट आई। इससे जनता का प्रशासन पर यह आरोप और मजबूत होता है कि व्यवस्था सिर्फ वीआईपी के लिए, जनता के लिए नहीं।



27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 4

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 27 अक्टूबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

जो शिक्षा मनुष्य को संकीर्ण और स्वार्थी बना देती है, उसका मूल्य किसी युग में चाहे जो रहा हो, अब नहीं है। - शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय

कार्बाइड गन से भारत में हजारों लोग अंधे?

भारत में तकनीक और नवाचार के नाम पर कई बार ऐसी चीजें प्रचलन में आ जाती हैं जो दिखने में महंगाल और बड़े काम की लगती हैं, लेकिन असल परिणाम को समाज के लिए गंभीर संकट बन जाती हैं। कार्बाइड गन इसका ताजा उदाहरण है। मूल रूप से यह गन पक्षियों और जानवरों को भगाने के लिए तैयार की गई थी। दीपावली के अवसर पर शहर के बीते में यह गन मासूम बच्चों और आम नागरिकों की जान और आंखों की रोशनी छीनने का कारण बन गई है। सोशलमीडिया पर वायरल हो रहे इस कार्बाइड गन को जिस तरह से पटाखे के रूप में उपयोग किया गया है। बच्चों और आम नागरिकों के हाथ में यह गन थी। मीडिया भाई वाली घटनाओं ने इसका उपयोग किया गया। उसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, सहित कई राज्यों से हजारों लोगों को आंखों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसमें सैकड़ों लोग स्थाई रूप से अंधे हो गए हैं। हजारों लोग अस्पताल में आंखों का इलाज करा रहे हैं। इस कार्बाइड गन को लोगों ने जुगाड़ में की तैयार किया। जब इसे उपयोग में लाया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश ने हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद सरकार ने इसे पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस गन को हथकंडा विनाशकारक उपकरणगढ़ की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने पहले कोई भी व्यक्ति इस गन को बनाता, खरीदता या बेचता है तो उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार, मुख नियम में जो परिवर्तन किया गया है, उसके बाद कार्बाइड गन बेचने वालों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह संशोधन कठोर सजा के की पांच थी। मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्रवाही करते हुए इस पर रोक लगाने का काम किया। कार्बाइड गन से भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और जबलपुर जैसे जिलों में दर्जनों से किए गए विस्फोट के कारण बच्चों की आंखों जाने और किए गए विस्फोट के कारण स्थायी अंधेपन के कई मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 लोगों की आंखों पूरी तरह से खराब हुई है। इनमें से चार लोगों की सर्जरी की गई है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 150 लोग और पटना में 50 से अधिक लोग इस गन के विस्फोट से घायल हुए हैं। कार्बाइड गन प्लास्टिक के साधारण से पाइप से तैयार की जाती है। तैसे लाइटर, कैल्शियम और कार्बाइड से तैयार बम इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। कार्बाइड गन उपयोग पत्थरों को पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए उपयोग में होता है। जो मंगी दुकानों में आसानी से उपलब्ध है। यह गन 150 रुपए से लेकर 2000 रुपये तक में आसानी से देखा भर में उपलब्ध थी। इस बात पटाखों को दुकानें और ऑनलाइन इस गन को बेचा गया है। सोशल मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका थी। दीपावली के अवसर पर इसका बड़े पैमाने पर विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक के छोटे छोटे टुकड़े और कार्बाइड मुंह के कारण हजारों लोगों की आंखों को नुकसान पहुंचा है। सैकड़ों लोगों को आंखों की रोशनी चली गई है। पंजाब मेडिकल प्रोटोकॉलों और ई-कार्गो पेकमाइट्स पर यह खतरनाक गन 1300 से 3500 रुपये में खुलेआम आज भी बिक रही है। खासकर झुंडों में इस गन का उपयोग हुल्लड़बाज बनाने वाले गरढ़ का हुल्लड़मुख पाइपड़ जैसे नाम से होता है। इनकाई पाइप है, इसमें ऑक्सीजन होने वाला कार्बाइड और पानी का मिश्रण तैसा विस्फोट पैदा करता है। जो तेज आवाज के साथ खतरनाक आग और धमाके उत्पन्न करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका उपयोग दुर्घटना को निमंत्रण देने जैसा है। इसे विस्फोट में चश्मों और किताबों के टुकड़ों को तुलसने के कई मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रतिबंध सराहनीय है।

चिंतन-मनन

स्वस्थ समाज को करें आत्म जागरण

जिसने कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में काफी बहस का प्रचलन बढ़ा है। इसी संदर्भ में अध्यात्म के क्षेत्र में भी अभिवृद्धि हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। सूत्र वेदान्तवेत्ता स्वामी अभयानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में काफी बाद है। और यह चिंतन का विषय है। उन्होंने कहा कि यह अधिक दूर है। दुनिया पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांति महसूस करता है। अति भौतिकवाद एवं व्यक्ति और अतिमहिला भौगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संयमित होना होगा, तभी एक समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा। और व्यक्ति की मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। उसी वातावरण के बारे में विचार आता है जहां वह रहता है, जबकि आज आवश्यकता है अध्यात्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुभव से ही व्यक्ति के अंदर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज चैती लगाकर जल निर्मल पेयु उपलब्ध करना है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में पारंपरिक परिवारों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में आपने प्राचीन काल में रहे राजर्षि जी के संरक्षित करना चाहिए। यह पर्व विशेष रहीं महिला स्वास्थ्य भाव की गोपनता और संस्कार का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तराखण्ड एक ऐसी कथा का स्थान है जिसमें सभी का निर्वाह है। जो व्यक्ति अपनी व्यापार प्रसाद सुनना पसंद करता है, वह कभी जगहाई नहीं कर पाता। यही अनुपम दृष्टान्त राजर्षि में भी था। यह आपनी स्वार्थों को स्वीकार न करते हुए उन्होंने सुनने में व्यापार मन लगाता था। राजर्षि को कई बार उनकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का वध नहीं हुआ।

सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है

- रमेश सर्राफ धमोरा



दिवाली के बाद छठ पूजा का त्योहार बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान घर से लेकर घाटों तक बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इस दौरान छठी मैया को पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार छठी मैया को संतान सुख और व्रत करने से भगवान की दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। छठ पूजा भगवान सूर्य को समर्पित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल के तराई भागों सहित देश के उन सभी महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। वहीं नहीं, मॉरीशस, त्रिनिदाद, सूरीनाम, जावा सहित विदेशों में भी प्रवासीय भूमि के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं। छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का होना अनिवार्य है। कुछ इसी तरह की परिस्थितियों के साथ पृथ्वीपुत्र भगत के लोग छठ व्रतोत्सव के रूप में इसको आराधना करते हैं। झारखण्ड एवं छोटानागपुर क्षेत्र, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा की महत्ता को देखते हुए सरकारी छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। छठ पूजा के बारे सूर्य भगवान, उषा, उकुषी, ऊषा, पंचू आदि की सम्पूजित है। इस व्रत को करने से नि:संतान दंपतियों को संतान सुख प्राप्त होता है साथ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते हैं। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन घरिया नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व घर-घर में मुहिमाओं द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें सहयोग करने लगे हैं। ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान माना है। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पृथ्वीपुत्र भगत के लोग छठ व्रतोत्सव के रूप में इसकी आराधना करते हैं। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर

27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 5

संक्षिप्त समाचार

रांची में 4 माह वेतन वृद्धि रोकी, शिक्षकों में फैला आक्रोश

रांची, एजेंसी। अधिकार झारखंड प्रारंभिक शिक्षक संघ ने रांची जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) पर आरोप लगाते हुए कहा कि जुलाई में 3000 शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि रोक दिया गया था। शिक्षकों का दोष केवल में बस इतना था, जिसके उनके परिवारों पर गंभीर आर्थिक असर पड़ा। संघ के मुख्य प्रवक्ता नवीन आनंद ने कहा कि हिंदी दिवस परीक्षा की अनियमितता बताते हुए आधार बनाकर अनावश्यक कार्रवाई की गई है, जबकि इसका किसी अन्य जिले में ऐसा प्रावधान लागू नहीं हुआ था। डीएसई के इस निर्णय के विरोध में संघ ने आंदोलन किया। जिलाध्यक्ष शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर पठन-पाठन किया और आदेश की प्रतियां जलाईं। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक के आश्वासन पर इसे वापस लिया गया था। संघ ने कहा कि कार्मिक विभाग से 6 अक्टूबर को ही स्पष्ट आदेश जारी कर दिया था कि प्रारंभिक शिक्षक पर हिंदी परीक्षा लागू नहीं होगा। इसके बावजूद डीएसई और डीएसई ने मनमानी की। आंदोलन के दबाव में संघ के प्रदेश पदाधिकारियों ने डीएसई से मुलाकात की, जिसके बाद रोक हटाने का निर्णय लिया गया।

आयुष्मान भारत योजना के तहत छह विशेषज्ञ चिकित्सकों की हुई नियुक्ति

अमरापुर, एजेंसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरापाड़ा में इलाज कराने आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो, इसको लेकर में रखते हुए अमरापाड़ा में कई प्रकार की नयी सुविधा आरंभ की जा रही है, इसी क्रम में अमरापाड़ा प्रखंड के द्वारा आयुष्मान भारत योजना के तहत छह डॉक्टरों की नियुक्ति की गयी है, जिसमें हड्डी रोग, स्त्रीरोग, दाँतों का डेंटर, नाक कान गला और एनेस्थेटिया विभाग के डॉक्टर शामिल हैं, इन सभी विशेषज्ञों ने अपनी सेवा देनी शुरू कर दी है, इसकी जानकारी देते हुए मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर मंजीर पाल ने बताया कि अब मरीजों को हड्डी, पेशाब, स्त्रीरोग या नाक कान गला, जैसी गंभीर बीमारियों के लिए निजी अस्पतालों की ओर नहीं जाना पड़ेगा, एक ही छत के नीचे सभी विशेषज्ञों की सुविधा मिलेगी, एनेस्थेटिया से डॉक्टर अमित सिन्हा और हड्डी के डॉक्टर की नियुक्ति की गयी है, इसकी सेवा आज सोमवार से शुरू होगी, उन्होंने कहा कि अस्पताल में अल्ट्रा साउंड, ईसीजी और माइक्रोबायोलॉजिस्ट की नियुक्ति भी की जायेगी, इसके चयन की प्रक्रिया प्रक्रिया चल रही है, वहीं शुक्रवार को विधायक सत्यानंद भोक्ता ने जिला महिला विभाग, रेडियोलॉ

27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 6

आलू में रोग अनेक उपाय एक



पतियों व तने में आने वाले रोग

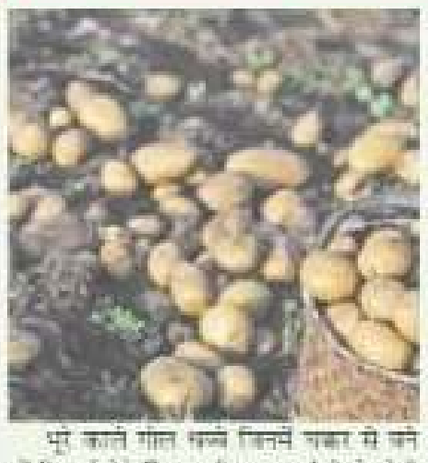
विषाणु रोग- हरी पत्तियों पर हल्के हरे अथवा हल्के पीले धब्बे या फफोले से होना (कबरापन या मोजाइक) पत्तियां छोटी, भंगूर, किनारे लहरदार, मुड़े से (लीफरोल) अथवा पौधों की ऊपरी भाग की पत्तियों का गुच्छा सा बन जाना, उसमें मोजाइक दिखाई देना है।

नियंत्रण

बी ज किसी प्रमाणित संस्था अथवा उन्नत आलू बीज कृषक से ही खरीदना चाहिए। अगर बीज बनाने के लिये फसल लगाई है तो 25-30 दिन बाद रोगग्रसित पौधों को निष्कासित (रोगिंग) करना चाहिए। तथा मिट्टी चढ़ाते समय दी जाने वाली नाइट्रोजन खाद के साथ ही फोरेट 10-जी नामक सिस्टेमिक, इनेदार कीटनाशक 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। जनवरी के प्रथम सप्ताह में इमीडाक्लोप्रिड जो बाजार में कई नामों से मिलती है का 2 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी में घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें। अगर आलू की फसल बचाने के लिए लगाई गई है तो कोई भी कीटनाशक का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पिछेती झुलसा यानि लेट ब्लाइट सबसे खतरनाक बीमारी है जिससे खड़ी फसल 48 घंटों में पूरी तरह झुलस जाती है। यह फफूंदजनित इनफेक्शियस नामक फफूंद से फैलती है। दूसरे सप्ताह के बाद अगर 3-4 दिन लगातार हल्की बारिश हो जाये, बादल छाये रहें, तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहे तो बनता है। सुबह के समय देखने पर पत्तों पर पानी से भीगे से गहरे धब्बे दिखाई देते हैं जिनकी निचली सतह पर सफेद रंग की फफूंदी के धागे से बनते हैं। फूल निकलने पर ये भूरे रंग के झुलसे हुए धब्बों में बदल जाते हैं। तने पर भी छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के निशान दिखाई देते हैं जिन्हें खरोंचने पर अंदर भूरे कत्थे जैसा दिखाई देता है। पिछेती झुलसा ग्रसित आलू न तो खाने योग्य होते हैं और न ही बीज के लिये शीत गृह में रखने योग्य। शीत गृह में ये सड़ते नहीं हैं तथा अगली फसल में बीमारी फैलाने का काम करते हैं।

प्रतिरोधी संकर वाली किस्में लगानी चाहिए, जैसे कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-2, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4, कु. ज्योति, कु. मदनगल, कु. पुखराज, कु. आनंद, कु. कंचन आदि इनके अलावा कु. ज्योति व कु. पुखराज में भी कुछ हद तक प्रतिरोधी क्षमता है। इसके अलावा दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में एक छिड़काव मेन्कोजेब दवा जो कि बाजार में कई नामों से मिलती है का दे देना चाहिए। इस दवा की 2 किलोग्राम मात्रा को 800 से 1000 लीटर पानी में घोलकर इस तरह छिड़काव करें कि दवा का घोल पत्तों से टपकने लगे तथा पत्तों की निचली सतह पर दवा पहुंच जाये। हल्की बारिश हो तो कोई भी स्टीकर मिला दें। पिछेती झुलसा रोग आ चुका है तो तुरंत सिस्टेमिक फफूंदीनाशक मेटालोक्सिल फोसेटाइल या कर्जेट फोसेटाइल का 2.0 से 2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।

पत्तों पर अगेती झुलसा (अर्ली ब्लाईट)



भूरे काले गोल धब्बे जिनमें चक्कर से बने हो दिखाई देते हैं यह भी एक फफूंदी से होती है जिसका नाम आल्टरनेरिया सोलनाई है। चूंकि इस क्षेत्र में यह देरी से आती है तथा प्रकोप भी कम रहता है। अतः अलग से कोई दवा छिड़कने की आवश्यकता नहीं है, पिछेती झुलसा रोग के लिए जिस दवा का छिड़काव दिया गया है उसी से इसकी भी रोकथाम हो जाती है। दिसम्बर माह में ही पौधों की निचली पत्तियों पर बहुत अधिक संख्या में छोटे-छोटे काले धब्बे दिखाई देते हैं, जिनकी निचली सतह थोड़ी सी ही चमकदार होती है। ये वातावरण में ओजोन की मात्रा बढ़ने से होती है। यूरिया का 2 प्रतिशत घोल बनाकर पत्तों पर छिड़काव करने से इस बीमारी को रोका जा सकता है। कु. ज्योति व कु. लवकर किस्मों में यह बीमारी बहुत अधिक आती है।

खेत की तैयारी के लिए उपयोगी कृषि यंत्र



ट्रैक्टर चालित डकफुट स्वीप कल्टीवेटर

खेत तैयार करने हेतु हमारे यहां किसान भाई साधारण तौर पर डकफुट कल्टीवेटर का इस्तेमाल करते हैं। आमतौर पर इस कल्टीवेटर में 450 मि.मी. फाट वाली 5 लिकोनी पांस लगी होती है, जो मिट्टी की कापरी परत काटती है, जिससे खेत की नमी उड़ नहीं पाती एवं कापरी सतह भुरभुरी हो जाती है। इस यंत्र से खेत तैयार करने में 35 हा. पा. ट्रैक्टर से 1 है. में लगभग 1.15 से 1.30 घंटे लगते हैं, तथा संचालन लागत 750 रुपये से 900 रुपये प्रति हेक्टेयर आती है।



विशेषताएं

कार्यकारी चौड़ाई : 1500 मि.मी., कार्यकारी गहराई : 110 मि.मी., कार्यक्षमता : 0.31-0.36 है./घंटा, अनुमानित मूल्य : 1,25,000 रुपये

ट्रैक्टर चलित रोटावेटर

ये उचित नमी की अवस्था में बीज शय्या तैयार कर दिया जाता है। रोटावेटर में लेवलर की सहायता से मिट्टी समतल होती है। इसके मुख्य भाग कार्डन शॉफ्ट, गियर बाक्स, एसम्बली, स्पराकेयर एसम्बली, ट्रेलिंग चोई इत्यादि है। जिस खेत में गहरी जुताई नहीं हुई हो, उस खेत में इस यंत्र से सिंचाई करके खेत की रोपाई किया जाता है इस यंत्र से 30-35 प्रतिशत समय की बचत, 20-25 प्रतिशत ईंधन लागत में बचत और 25-30 प्रतिशत उच्च गुणवत्ता वाला कार्य करते है।

ट्रैक्टर चालित डिस्क हैरो

प्राथमिक जुताई उपरान्त मिट्टी के ढेलों को तोड़ने तथा मिट्टी को भुरभुरी बनाने के लिये यह उपयोगी यंत्र है। जिन स्थानों की मिट्टी हल्की है, वहां पर यह यंत्र सीधे तौर पर भूमि तैयार करने के लिये भी उपयोग में लाया जाता है। परन्तु हमारे यहां, यदि नर्सियों में खेत में हल अथवा बखर पहले से चलाया हुआ है तब पहली बारिश के बाद बाहर आने पर इसी सीधे ही खेत तैयार करने के लिये प्रयुक्त किया जा सकता है। रबी में भी बखर की हुई जमीन पर पलेवा के बाद इसे खेत तैयार करने के लिये इस्तेमाल किया जाता है। वैसे तो बाजार में कई तरह के डिस्क हैरो उपलब्ध हैं। परन्तु आमतौर पर 14 डिस्कवाला, साधारण गैंग आफ सेट माउंटेड अथवा ट्रेल टाइप हैरो उपयोग होते है, जो 3.5 हा. पा. ट्रैक्टर के द्वारा आसानी से चलाए जा सकते है। इससे 1 है. खेत तैयार करने में 1 घंटा 15 मिनट लगते हैं।

पावर टिलर चालित रोटावेटर

आम, अमरूद, नीबू, पपीता आदि के बाग में पेड़ों के मध्य रिक्त भूमि पर जुताई लेने हेतु ट्रैक्टर से कार्य करना संभव नहीं होता है। परन्तु पावर टिलर से चलने वाले रोटावेटर को इस्तेमाल कर पेड़ों के मध्य की भूमि आसानी से तैयार की जा सकती है। इस यंत्र के कार्य करने का तरीका तथा यंत्र की बनावट ट्रैक्टर चलित रोटावेटर की तरह ही है।

ट्रैक्टर चालित तवादार हल (डिस्क प्लाऊ)

ऐसी भूमि जिसमें पहले जुताई न हुई हो, सूखी भूमि, पेड़-पौधों की जड़ों की टूट हो या खरपतवार अधिक बड़े तथा घनी हो और जिस भूमि पर बोल्डर पत्थर हो तथा मोल्ड बोर्ड हल चलाना मुश्किल हो वहां तवादार हल का प्रयोग किया जाता है। यह हल भी प्रायः 2 अथवा 3 डिस्क (फाल) में उपलब्ध है तथा 35-50 हा. पा. वाले ट्रैक्टर से चलाये जा सकते है। 35 हा. पा. वाले ट्रैक्टर से एक घंटे में औसत 0.6 एकड़ अर्थात 0.24 है. प्रति घंटा भूमि की जुताई हो सकती है



अमरूद के कीट-रोग



फल मक्खी

यह मक्खी बरसात के फलों को हानि पहुंचाती है। यह फल के अंदर अण्डे देती है जिनसे मैगट पैदा होकर गूदे को फल के अंदर खाते है।

नियंत्रण

ग्रसित फलों को नष्ट करें तथा 0.02 प्रतिशत डायक्लिरान या 0.05 प्रतिशत मेलाथियान का छिड़काव करें।

मिलीबग

ये कीड़े नये प्ररोहों पर चिपके रहते हैं तथा रस चूसते हैं, जिससे फूल फिर नहीं होते हैं।

नियंत्रण

1 भाग निकोटीन सल्फेट, 600 भाग पानी में घोलकर छिड़कें। तथा अधिक ग्रसित शाखाओं को काटछांट कर नष्ट कर दें व मेटासिस्टाक्स 0.05 प्रतिशत का छिड़काव करें।

छाल खाने वाली इल्ली

यह पौधे की शाखाओं में छेद बनाकर छिलका खाती है। प्रभावित प्ररोहों पर जहां जहां छेद बन जाते हैं। इन जालों में कीड़ों का मल पदार्थ इकट्ठा होता है। ये इल्लियां इन्हीं जालों के अंदर

रोकथाम-

- स्वस्थ पौधे को 0.1 प्रतिशत 8 क्यूनोलीन सल्फेट में डुबोकर करें।
- सभी सूखे पौधे और सूखी टहनी को निकाल दें।
- मार्च, जून और सितम्बर माह में छंटाई करके प्रत्येक पौधे के थाले में बाविस्टीन डाला जाये। रोगग्रसित भाग को काट के बेनोमाईल कार्बेन्डाजिम के 20 ग्राम को पानी में घोल बना कर प्रति पौधा डाला जाये।
- मुरझाये हुए पौधों में 0.5 प्रतिशत स्ट्रेप्टोमिसाइसन और जिंक सल्फेट के मिश्रण का छिड़काव करें।

हानि पहुंचाती है।

नियंत्रण

छिटों में पेराथिलियम या 40 प्रतिशत क्लोरीन वाले पाउडर का चूर्ण सिटों में भरकर उनको चिकनी मिट्टी से बंद कर दें।

सूखा रोग

अमरूद उत्पादन में यह सबसे बड़ी समस्या है। इसमें शाखाओं ऊपर से सूखनी शुरू होती है तथा पूरी सूख जाती है तथा बाद में पूरा पौधा सूख जाता है। यह एक कवक द्वारा पैदा होता है। यह वर्षा ऋतु में सबसे अधिक देखा जाता है।

नियंत्रण

प्रभावित भागों को काटकर तुरंत नष्ट कर दें जिससे आसपास के पौधे में यह न फैल सके। पौधे के तनों पर बार्डो पेस्टिंग करें व रिडोमिल 0.2 प्रतिशत दवा थाले में ड्रेंचिंग करें।

फलों का सड़ना

यह फाइटोप्थोरा पैलमिटिका कवक द्वारा होता है। यह अधिक आर्द्रता के कारण फलने फलों पर पानी भरे धब्बे



रोकथाम-

- ग्रसित फलों को इकट्ठा करके जला दें।
- 2-3-50 बोर्डोमिक्चर का छिड़काव करें या साफनेब जेड 78 0.2 प्रतिशत का पौधों पर छिड़काव करें।

उकठा रोग

अमरूद में उकठा रोग का प्रकोप क्षारीय भूमि में जिसका पीएच 7.5 से 9.5 तक हो उसमें अधिक होता है। यह फफूंद के द्वारा फैलता है जिसमें विशेष रूप से फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम मालकोलोमिन फासकोलिना और मेक्रोफोमिना स्पेसीज प्रमुख है।



27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 7

श्रद्धा दास की सीरीज सर्च:

द नैना मर्डर केस की सफलता के बाद IMDB रैंक में भारी उछाल पर प्रतिक्रिया



अभिनेत्री श्रद्धा दास इस समय सफलता और सेटिस्फैक्शन की लहर पर सवार हैं। उनकी सीरीज, सर्च : द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय IMDb की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में जगह दिलाई है। यह पैन इंडिया दायरा अब जाह्नवी खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई है। अपनी IMDb रैंक से इस अंतर्राष्ट्रीय उछाल के बारे में बातचीत में अभिनेत्री ने अपना आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर जाने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज में रहा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च : द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रहा का किरदार मुझे इतनी मेरे इस प्यार दिलाएगा। मैं आभारी महसूस कर रही हूँ। और सीरीज में रहा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च : द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रहा का किरदार मुझे इतनी मेरे इस प्यार दिलाएगा। मैं आभारी महसूस कर रही हूँ।

अभिनेत्री श्रद्धा दास इस समय सफलता और सेटिस्फैक्शन की लहर पर सवार हैं। उनकी सीरीज, सर्च : द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय IMDb की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में जगह दिलाई है। यह पैन इंडिया दायरा अब जाह्नवी खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई है। अपनी IMDb रैंक से इस अंतर्राष्ट्रीय उछाल के बारे में बातचीत में अभिनेत्री ने अपना आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर जाने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज में रहा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च : द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रहा का किरदार मुझे इतनी मेरे इस प्यार दिलाएगा। मैं आभारी महसूस कर रही हूँ।

अभिनेत्री श्रद्धा दास इस समय सफलता और सेटिस्फैक्शन की लहर पर सवार हैं। उनकी सीरीज, सर्च : द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय IMDb की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में जगह दिलाई है। यह पैन इंडिया दायरा अब जाह्नवी खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई है। अपनी IMDb रैंक से इस अंतर्राष्ट्रीय उछाल के बारे में बातचीत में अभिनेत्री ने अपना आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर जाने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज में रहा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च : द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रहा का किरदार मुझे इतनी मेरे इस प्यार दिलाएगा। मैं आभारी महसूस कर रही हूँ।



अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने रचा इतिहास

भारतीय मनोरंजन जगत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया—यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज के करीब पहुंच गए हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इससे पहले ही, यह न सिर्फ गर्व की, बल्कि इतने कम समय में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं।यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, अथाहटल लोकप्रियता और बेमिसाल स्क्रीन प्रेजेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के एयरपोर्ट तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय एथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने मंच पर एक अरब व्यूज के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेजी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उसकी सहजता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं—ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, रीक्रिएट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार जोश भरते हैं।

ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल सितारों ही दृश्यता को तय करते हैं, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए असंभव होता है। एक सुना हुआ रिदम से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली मनोरंजन आईकॉन बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं—ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह महत्वाकांक्षा बदल रही है, भविष्य की पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही है और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही है।



राहुल गांधी पर भड़कीं अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन, बोलीं- वह भारत के लिए सही नेता नहीं हैं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-रूस तेल व्यापार को लेकर एक बयान दिया था, जिसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भड़क उठे थे। इसे लेकर अमेरिका की मशहूर सिंगर मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कांग्रेस नेता को करारा जवाब दिया था। वहीं बातचीत करते हुए उन्होंने एक बार फिर से राहुल गांधी को घेरा। बातचीत में राहुल गांधी को लेकर मैरी मिलबेन ने कहा, मैं जोर देकर कहती हूं कि वह भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं। यह स्वाभिक ही चुनाव है, कांग्रेस पीएम मोदी ने महाराष्ट्र जीतकर भी है, राहुल गांधी को चुनौती दी है और फिर से चुनकर आए हैं। लोगों के वोट को लेकर अमेरिका और भारत दोनों ही जगहों पर एक जैसे ही हैं। लोगों ने तीन बार जनादेश दिया है कि पीएम मोदी भारत के लिए सबसे अच्छे हैं। उन्होंने कहा, उनकी खुद की पसंद की जगह से राहुल गांधी भारतीय नेतृत्व के लिए सही व्यक्ति नहीं है। मैं खुश अपनी स्क्रीन पर देख रही हूं कि ये वहां कैसे होती है। मैं हमेशा से स्टेज पर परफॉर्म ही रही थी। यही टीम के लोगों ने पूछे कटाक्ष कि राहुल गांधी को लेकर जो मैंने बोला, उसकी किताबें चर्चा हो रही है। जैसा कि मैंने कहा कि वह भारत के लिए सही नेता नहीं है। वह अपना ज्यादातर समय अमेरिका आते रहते हैं और जब भी वह यहां आते हैं, भारत के बारे में गलत बातें बोलते हैं। मुझे नहीं समझ आता है कि यह देश का नेतृत्व करने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं।

मैरी आगे कहती हैं कि आप जिस देश और वहां की जनता को सीधे करना चाहते हैं, उसके बारे में लगातार नकारात्मक बातें नहीं कर सकते हैं। ऐसे में आप भुगतान लेने और लोगों के पसंदीदा नेता होने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं? वह ज्यादातर समय अमेरिका आते रहते हैं और जब भी यहां आते हैं, भारत के बारे में गलत बातें बोलते हैं। मुझे नहीं समझ आता है कि यह देश का नेतृत्व करने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं।

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' में परेश रावल को नहीं लगा दम

बॉलीवुड के सीनियर एक्टर परेश रावल ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्हें अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' का हिस्सा बनने का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके पीछे की वजह है 'व्यक्तिगत जानकारी' बताई है। परेश ने उन्हें डायरेक्टर नहीं मिलना जिसमें स्क्रिप्ट पे। एक इंटरव्यू में परेश रावल ने कहा कि 'दृश्यम 3' को बनाने उन्हें बेहद मजा आई, लेकिन उनका रोल उनके मुताबिक नहीं था। उन्होंने कहा, मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था, लेकिन जो रोल ऑफर हुआ, उसमें मजा नहीं आया। स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी, साथ अगर किरदार से खुद को जोड़ न पाएं तो काम करने का आनंद नहीं आता।' दृश्यम 3' में एक बार फिर अजय देवगन और तिब्बू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं, जबकि इसका निर्माण कुमार मंगत के बैनर तले हो रहा है। पार्ट 2013 की सुपरहिट 'दृश्यम' और 2022 में रिलीज हुई 'दृश्यम 2' की अगली कड़ी है। मीनाक्षी है कि अजय देवगन की 'दृश्यम' 2013 की कामयाब फिल्म का हिंदी रीमेक है, जिसमें सेहतमंद मुख्य भूमिका में थे। दिलचस्प बात यह है कि 'दृश्यम 3' को कन्नड़ सरकारने भी एक साथ बनाया जा रहा है। महत्वपूर्ण इन तीनों अलग फिल्म को शूटिंग में लगभग है, वहीं हिंदी टीम को तैयारियों में जोरों पर है। खास बात है कि 'दृश्यम 3' के रोल लिए को लेकर निर्माता लगातार चर्चा में रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिंदी रीमेक के प्रोड्यूसर कुमार मंगत ने फिल्म को रिलीज डेट 2 अक्टूबर 2026 घोषित कर दी, जबकि कन्नड़ वर्जन निर्देशक जीतू जोसेफ और निर्माता सतीश चंद्रशेखर इससे पहले ही रिलीज कर चुके हैं। बताया जाता है कि दोनों टीमों के बीच एक समझौता है कि हिंदी टीम किसी भी योजना से पहले मूल मेकर्स की अनुमति लेगी।



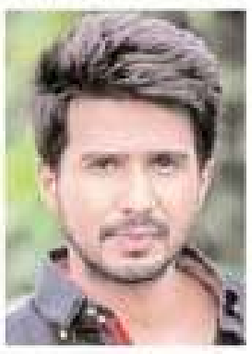
कशिका कपूर की सहज खूबसूरती ने 'पिच टू गेट रिच' स्क्रीनिंग पर चुराया सबका ध्यान



कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लगा सिर्फ फैशन तक सीमित नहीं रहता — वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक। ऐसा ही कुछ हुआ जब कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पारिवारी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल संवेदना बन गया — फैन्स और सेलिब्रिटीज दोनों उनकी तालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए।अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने मिनिमल स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नजर आती हैं — आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामेटिक अंदाज, न कोई ब्यवधान — बस एक सहज आभा, जो बिना कशिका के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ कर रहा था, वहीं यह साफ दिख रहा था कि बात सिर्फ कपड़ों की नहीं थी — बल्कि उनकी गौरवपूर्ण की थी। कशिका ने खुद को उस सेलिब्रिटी के रूप में पेश किया जो जानती है कि वो कौन है और कहां जा रही है। हर फ्रेम में उनके गहरा की झलक थी — एक उगाती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई सोच को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की खूबसियत उनकी संतुलन भी तालीनता है — परंपरा के बीच भी आधुनिक से जुड़े हुई। बावजूद होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती है — आत्मविश्वास और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बात फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ दिखने के लिए नहीं हैं — बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। अपने अनोखे फैशन सेंसिबिलिटी और सहज प्रोफेशनल के साथ, वह बॉलीवुड में कुछ चौंकाने वाली बात से ज्यादा एक इतिहास है — उस गिनती की, जिसकी चमक अब और भी तेज होने वाली है।

इंडस्ट्री से समर्थन न मिलने से निराश हैं विष्णु विशाल

तमिल सिनेमा इंडस्ट्री के एक अभिनेता और सिनेमा निर्माता ने इंडस्ट्री में लोगों के समर्थन की कमी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया है कि उन्हें उनकी पहर फिल्मों के लिए निर्माता नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया। अपनी अपकमिंग फिल्म आर्यन के प्रेस-रिलीज कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने बताया कि तमिल सिनेमा में अपने सहयोगियों से उनको कौन शिकायत है?



चार फिल्मों के लिए नहीं मिले निर्माता

इस लिए अभिनेता की बात कर रहे हैं वह विष्णु विशाल हैं। उन्होंने कहा, मैं इंडस्ट्री में पहचान न मिलने की बात कर रहा था। मैं इससे खुश नहीं हूं। मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिखाने के लिए एक-दो साल से काम कर रहा हूं। विष्णु विशाल ने वेनेपु चंपुला चेक्काईकरण, गट्टा कुस्ती और एफआईआर: फैसल इब्राहिम खान जैसी फिल्मों के नाम लिए और बताया कि इन प्रोजेक्ट्स को शुरू करने के लिए, उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा मेरी फिल्म गट्टा कुस्ती के लिए छह निर्माताओं ने अंतिम समय में मना कर दिया था। वेनेपु चंपुला चेक्काईकरण के लिए मैं चार निर्माताओं के पास गया और एफआईआर: फैसल इब्राहिम खान के लिए तीन निर्माता पीछे हट गए।

खुद का प्रोडक्शन खोलने का फैसला

विष्णु विशाल ने कहा कि यही वजह है कि उन्होंने अपनी फिल्मों के लिए निर्माता करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं क्या यह कहना चाह रहा था कि एक स्टॉल के तौर पर मेरे अंदर यह दर्द और उदासी है। इसीलिए मैंने अपना खुद का प्रोडक्शन शुरू किया। एक बार जब मैंने प्रोडक्शन का काम संभाल लिया, तो मुझे इस फिल्म को रिलीज करने और फिर से पूरे पर लाने में बस एक साल लगा।

मुझे फोन नहीं करते कलाकार

उन्होंने आगे कहा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मुझे किसी एक स्टॉल से कोई शिकायत नहीं है। जब मेरी फिल्म रिलीज होती है और सफल होती है, तो मैंने देखा है कि जिन अभिनेताओं को मैं नैतिक समर्थन हूं, उनमें से किसी ने भी मुझे व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के लिए एक बार भी फोन नहीं किया।

कानूनी मुसीबत में घिरीं बिग बॉस फेम तान्या मित्तल

पोटाश गन चलाने के आरोप में शिकायत दर्ज, जांच के आदेश जारी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपने बयानों और लाइफ स्टाइल को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है और इस बार वजह उनकी कोई टिप्पणी नहीं है।

रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपने दिलचस्प को लेकर चर्चा बटोरने वाली तान्या मित्तल के खिलाफ एफआईआर ने शिकायत दर्ज हुई है। एएनआई, तान्या पर पोटाश गन चलाने का आरोप है, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। तान्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई गई है। खास तौर एफआईआर को गांव की है।

शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

इस दिनों बिग बॉस 19 में अपनी



प्रतिभागी नजर आ रही तान्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे लिक्विड से दिख रही हैं। अभिनेत्री कॉफिन बैग पर कार्डबोर्ड गन चलाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद हंगामा हो गया और उनके खिलाफ यहां में शिकायत दर्ज कराई गई है। एसडीएम सिमरौली दिवाकर सिंह कथानक ने एसडीएम मनु मंत्रीवाल से शिकायत की है। शिकायत में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ट्वीटर और फ्लेक्सबार रश्मिका मौहन द्वारा धारा 163 बीएनएस के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

क्या है वीडियो की सच्चाई?

तान्या के खिलाफ शिकायतकर्ता का कहना है कि वीडियो में तान्या मित्तल कार्डबोर्ड गन चलाते हुए नजर आ रही हैं। वह यही सच है, जिसके प्रदर्शन पर एसडीएम फ्लेक्सबार बैन लगाया है।

वहीं, इस वीडियो को लेकर कहा गया है कि यह बीते वर्ष यानी साल 2024 का है। शिकायत फ्लेक्सबार रश्मिका मौहन के आदेश पर गायने की जांच चल रही है।

क्या है पूरा मामला?

मध्य प्रदेश में कार्डबोर्ड गन चलाने से अब तक 300 से अधिक लोगों की आंखों की रोशनी पर खतरा मंडरा रहा है। सरकार की ओर से इस गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी बीच तान्या का कथित तौर पर कार्डबोर्ड गन चलाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इसी के चलते उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। कहा जा रहा है कि आरोप जांच में पाया गया कि यह वीडियो कोई नकल नहीं है, बल्कि असली है। तान्या मित्तल

27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 8

आईपीएल से पहले केकेआर ने किया बड़ा बदलाव, पूर्व भारतीय क्रिकेटर को बनाया मुख्य कोच



आईपीएल 2024 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अभिषेक नायर को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया है। नायर, जो पहले टीम में सहायक कोच और अस्थायी हेड कोच के रूप में काम कर चुके हैं, अब पूरी टीम की कोचिंग जिम्मेदारी संभालेंगे। यह फैसला पार्थ के कार्यकाल खत्म होने के बाद पूजा को सुचारू बनाने जा रहा है। नायर का केकेआर के साथ पुराना नाता रहा है। उन्होंने कुल खिताबों को जीतकर मजबूत करने और टीम की रणनीति में सुधार लाने में अहम योगदान दिया है। रिंकू सिंह, वैभव अरोरा और अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं के उदय में उनकी मार्गदर्शन की छाप साफ दिखाई देती है। पूर्व मुख्य अंतरराष्ट्रीय अभिषेक नायर ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और 2009 में वेस्ट इंडीज के खेले। रिटायरमेंट के बाद नायर ने कोचिंग में कदम रखा और कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को संभाला। उनके विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और शांत नेतृत्व शैली ने उन्हें आईपीएल में उच्च सम्मान दिलाया है। अब मुख्य कोच बनने के बाद उनके सामने चुनौती है कि केकेआर को आईपीएल 2026 में फिर से खिताब के दावेदार बनाए। उनकी आधुनिक क्रिकेट की समझ, रणनीतिक सोचने और खिलाड़ी मनोविज्ञान की समझ टीम के प्रदर्शन में सुधार ला सकती है। यह बदलाव टीम में निरंतरता और डीकोडिंग लीडरशिप पर भरोसा दर्शाता है। क्लब के अनुसार अभिषेक नायर की कोचिंग पुनरुद्धार में पार्थ के खिलाड़ियों को नई दिशा मिलेगी और टीम में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप

हंसिका, सारिका को रजत से करना पड़ा संतोष, परविंदर कांस्य पदक से चूके



बोगी साद, एजेंसी। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के फ्रीस्टाइल मुकाबले में जापान की हारुना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की दक्षिणाई अंडर-20 रजत पदक विजेता हंसिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रेसलर मोरिकावा से 1-2 से हार गईं। भारत को महिला मुकाबलों में हंसिका तथा सारिका से अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल से हार मिली जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के तिसरेथी मुकाबले में जापान की हारुना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की दक्षिणाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रेसलर रूमा कुमारी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गईं। भारत ने इस प्रकार महिला वर्ग में अपने अभियान का अंत सात पदकों के साथ किया। निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पूजा सिहाग (65 किग्रा), मुस्कान (68 किग्रा) और दिशा मलिक (76 किग्रा) ने टूर्नामेंट में पहले ही कांस्य पदक जीते थे। सविना (62 किग्रा), हनी कुमारी (50 किग्रा), दीपा मलिक (72 किग्रा) को अभियान पदक दौर में पहले ही स्थान हो गया था।

रंजी ट्रॉफी: अजिंक्य रहाणे ने खेली 159 रन की पारी

टीम इंडिया में क्या फिर होगी वापसी? दूर कर सकते हैं गिल-गंभीर की सबसे बड़ी टेंशन



नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू टेस्ट टीम से दो साल से जारी चल रहे अजिंक्य रहाणे ने एक बार फिर से अपनी दावेदारी टीम इंडिया में चयनकर्ताओं के सामने ठोक दी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2025 के चालू सीजन के दूसरे मुकाबले में मुंबई की टीम को मुश्किल से बाहर निकाला। उन्होंने टीम को उस वक्त संभाला जब छत्तीसगढ़ के खिलाफ 36 रन पर उसके तीन विकेट गिर गए थे। उन्होंने सिद्धेश लाड के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 163 रनों की साझेदारी की। साथ ही अपने 303 मैच की अपनी पारी में 159 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने इस पारी में अपना 42वां फर्स्ट क्लास शतक जड़ा। उन्होंने 159 रन बनाए और मुंबई की टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसी के साथ फिर से यह अटकलें लगने लगी कि क्या 37 वर्षीय इस खिलाड़ी की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है। रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जुलाई 2023 में खेला था। अगर यह लगातार दो, तीन पारियों में अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हैं तो निश्चित ही आगे चयनकर्ता विचार किए बिना नहीं रह सकते हैं कि उन्हें एक और मौका मिले।

पोंडिचेरी पुडुचेरी के खिलाफ भारतीय टीम ने पहले 3 रन बनाते ही अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इस परिस्थिति पर पुजारा के साथ मिल, कप्तान गायकवाड़, कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पारी को संभाला। साथ ही उन्होंने एक बार फिर से अपनी दावेदारी टीम इंडिया में चयनकर्ताओं के सामने ठोक दी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2025 के चालू सीजन के दूसरे मुकाबले में मुंबई की टीम को मुश्किल से बाहर निकाला। उन्होंने टीम को उस वक्त संभाला जब छत्तीसगढ़ के खिलाफ 36 रन पर उसके तीन विकेट गिर गए थे। उन्होंने सिद्धेश लाड के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 163 रनों की साझेदारी की। साथ ही अपने 303 मैच की अपनी पारी में 159 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने इस पारी में अपना 42वां फर्स्ट क्लास शतक जड़ा। उन्होंने 159 रन बनाए और मुंबई की टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसी के साथ फिर से यह अटकलें लगने लगी कि क्या 37 वर्षीय इस खिलाड़ी की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है। रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जुलाई 2023 में खेला था। अगर यह लगातार दो, तीन पारियों में अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हैं तो निश्चित ही आगे चयनकर्ता विचार किए बिना नहीं रह सकते हैं कि उन्हें एक और मौका मिले।

पोंडिचेरी पुडुचेरी के खिलाफ भारतीय टीम ने पहले 3 रन बनाते ही अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इस परिस्थिति पर पुजारा के साथ मिल, कप्तान गायकवाड़, कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पारी को संभाला। साथ ही उन्होंने एक बार फिर से अपनी दावेदारी टीम इंडिया में चयनकर्ताओं के सामने ठोक दी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2025 के चालू सीजन के दूसरे मुकाबले में मुंबई की टीम को मुश्किल से बाहर निकाला। उन्होंने टीम को उस वक्त संभाला जब छत्तीसगढ़ के खिलाफ 36 रन पर उसके तीन विकेट गिर गए थे। उन्होंने सिद्धेश लाड के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 163 रनों की साझेदारी की। साथ ही अपने 303 मैच की अपनी पारी में 159 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने इस पारी में अपना 42वां फर्स्ट क्लास शतक जड़ा। उन्होंने 159 रन बनाए और मुंबई की टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसी के साथ फिर से यह अटकलें लगने लगी कि क्या 37 वर्षीय इस खिलाड़ी की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है। रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जुलाई 2023 में खेला था। अगर यह लगातार दो, तीन पारियों में अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हैं तो निश्चित ही आगे चयनकर्ता विचार किए बिना नहीं रह सकते हैं कि उन्हें एक और मौका मिले।

कर्नाटक के खिलाफ अर्जुन तेंदुलकर ने तहलका मचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर अपना घरेलू करियर में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हाल ही में गोवा की ओर से खेलते हुए अर्जुन ने एक बार फिर अपनी तेज गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। अर्जुन तेंदुलकर पहले पारी में 3 विकेट निकाल चुके हैं। उन्होंने कर्नाटक के ओपनर निकिन जोस, कप्तान मनीष पांडे और अभिनव मनोहर को आउट किया है। बता दें कि अर्जुन पहले मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते थे। लेकिन, 2022 में जनवरी महीने में मिजोरम को हराने के उन्होंने गोवा की जर्सी को धारण किया।

26 साल के अर्जुन तेंदुलकर अष्टेरोल में शेनू बने चुके हैं। उन्होंने 2023 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए अष्टेरोल में डेब्यू किया था। उनके बाद हालांकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। अर्जुन ने 5 अष्टेरोल मैचों में 3 विकेट लिए हैं।

...तो रोहित-विराट खेलेंगे घरेलू क्रिकेट!

कप्तान शुभमन गिल के बयान से लग रही अटकलें, बीसीसीआई जल्द लेगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए पांचवें मुकाबले से खुद को बाहर कर लिया था। 35 वर्षीय (सौजन्य) को छुट इस मैच में रोहित ने सबसे 121 रन बनाए, वहीं कोहली 74 रनों पर नॉटआउट लौटे। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम इंडिया को 9 विकेट से जीत दिलाने में मदद की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब रहीज में लिमिट ओवरों वाले दो मैचों में खाता नहीं खोल पाए थे। रोहित भी पहले मैच में सिर्फ 8 रन बना सके थे, जबकि कोहली पर्थ में जो शुरुआती ओवरों में संघर्ष करते दिखे। हालांकि सिडनी में दिग्गज जोड़ी ने 73 रनों की पारी खेली, जब मैदान-विराट ने सहीज का अंत शानदार तरीके से किया है। किए भी इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि अब दोनों अपने करियर के आखिरी पड़ाव को जी रहे हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलने और उसके बाद ही सन्यास लेने।

रोहित शर्मा के बयान के बाद से फिर से ये अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या दोनों दिग्गज घरेलू क्रिकेट में वापसी करेंगे। हालांकि, अब तक इस पर बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में अब सबकी नजरें बोर्ड के अगले कदम पर टिकी हैं। खासकर इसलिए भी क्योंकि रोहित और कोहली के पास अब ज्यादा समय नहीं है। वे सिर्फ वनडे क्रिकेट में ही नजर आएंगे। ऐसे में अगर वे घरेलू क्रिकेट खेलते हैं तो इससे न सिर्फ उनके फैंस को उन्हें करीब से देखने का मौका मिलेगा, बल्कि यह युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक बड़ा सीख होगा।



बनडे से कब रिटायर होंगे रोहित

रोहित शर्मा के चयनकर्ता के रूप में दिनेश लाड ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए रिटायरमेंट के संन्यास पर बड़ा खुलासा किया। दिनेश लाड ने सिडनी वनडे में रोहित शर्मा की पारी को देखते हुए कहा कि रोहित ने जिस तरह ऑस्ट्रेलियाई को और टीम इंडिया को जीत दिलाई, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा। दिनेश लाड ने आगे कहा कि रोहित ने जो रन बना लिया है कि जो 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे और उसके बाद ही सन्यास लेंगे।

रोहित शर्मा के चयनकर्ता के कोच ने विराट कोहली को भी उनका समर्थन करते हुए कहा कि कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी मैच को पलट सकते हैं। उनके खेल को देखकर भी बहुत अच्छा लगता है। दिनेश लाड ने कहा कि सचिन तेंदुलकर ने कहा था कि चयनकर्ता में रोहित और विराट को उनके रिटायरमेंट लेंगे और उनसे ये बात साफ साफ कही है।

इस दिनक्रिकेट को अलविदा कहेंगे रोहित शर्मा, कोच ने संन्यास को लेकर कर दिया बड़ा खुलासा





नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत को 2-1 से हार हुई, लेकिन इस सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला खूब चला। पहले के मैच बारिशबाधित में तीन मैचों की सीरीज में 202 से ज्यादा रन बनाए, इसके लिए रोहित शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। रोहित शर्मा टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में पहले सिडनी के वनडे में भी रिटायरमेंट लेने की खबरें जोरों पर चल रही थीं लेकिन रोहित को पार्थसैनिक ने उनके आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है।

वनडे से कब रिटायर होंगे रोहित

रोहित शर्मा के चयनकर्ता के कोच दिनेश लाड ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए रिटायरमेंट के संन्यास पर बड़ा खुलासा किया। दिनेश लाड ने सिडनी वनडे में रोहित शर्मा की पारी को देखते हुए कहा कि रोहित ने जिस तरह ऑस्ट्रेलियाई को और टीम इंडिया को जीत दिलाई, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा। दिनेश लाड ने आगे कहा कि रोहित ने जो रन बना लिया है कि जो 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे और उसके बाद ही सन्यास लेंगे।

रोहित शर्मा के चयनकर्ता के कोच ने विराट कोहली को भी उनका समर्थन करते हुए कहा कि कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी मैच को पलट सकते हैं। उनके खेल को देखकर भी बहुत अच्छा लगता है। दिनेश लाड ने कहा कि सचिन तेंदुलकर ने कहा था कि चयनकर्ता में रोहित और विराट को उनके रिटायरमेंट लेंगे और उनसे ये बात साफ साफ कही है।

रोहित-विराट ने दिलाई जीत

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मैच हार गई थी, वहीं तीसरे मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मैच विनिंग पारी खेली। रोहित ने 123 गेंदों में नाबाद 121 रन बनाए, वहीं विराट कोहली ने 81 गेंदों में 74 रनों की नाबाद पारी खेली और विनिंग चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई थी।

केनेडियन ओपन

कनाडा ओपन स्क्वाश के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं अनाहत, स्विट्जरलैंड की मेरलो को हराया



टोरंटो, एजेंसी। भारतीय स्क्वाश सेंसेशन और भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पीएसए कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने स्विट्जरलैंड की लिडे मेरलो को 12 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराया। अनाहत का अगला मुकाबला दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी और सातवीं वरीयता प्राप्त मेरीलेना अलर्कोन से होगा।

बेलिंडा बेनसिच बनीं पैन पैसिफिक ओपन की चैंपियन, नोरकोवा को हराया; करियर का 10वां खिताब जीता

टोक्यो, एजेंसी। बेनसिच ने फाइनल में रिंडा नोरकोवा को 6-2, 6-3 से हराय और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था।

स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच ने शानदार प्रदर्शन करते रहा और पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट को चैंपियन बनने में सफल रहीं। बेनसिच ने फाइनल में रिंडा नोरकोवा को 6-2, 6-3 से हराय और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था। उन्होंने सिंगल्स को जीतने पर फाइनल में चेक गणराज्य की अपने प्रतिद्वंद्वी पर शानदार शुरुआत की। बेनसिच ने नोरकोवा को सर्विस को तीन बार तोड़ते हुए एक घंटे 22 मिनट में आसान जीत हासिल की। टोक्यो में मिला खिताब को मुकाबले पहले जुड़ा है। उन्होंने यह साल पहले टोक्यो में ओलंपिक सर्किल में अपने पदक और युगल में रजत पदक जीता था। मैच के बाद बेनसिच ने कहा, अब लोगों के सामने खेलना शानदार था। जिसमें बात मैंने यहां तक टोक्यो ओलंपिक में जीत हासिल की थी, तब दर्शक मौजूद थे, इसलिए माहौल बिल्कुल अलग था, लेकिन अब लोगों के सामने खेलना बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता में खेलना बहुत प्यारा है, इसलिए मैं यह टूर्नामेंट जीतकर बहुत खुश हूं।



महिलाओं में सरस्वती और पुरुषों में सिकंदर ने मारी बाजी, 6000 से ज्यादा ने लिया भाग

नई दिल्ली, एजेंसी। 'रन अक्रॉस द फ्लाइओवर्स' थीम के साथ आयोजित इस मैराथन में देश-विदेश के 6,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। 42 किलोमीटर मैराथन में महिला वर्ग सरस्वती राय ने पहला स्थान पाया जबकि पुरुष वर्ग में सिकंदर सिंह लठवाल ने खिताब का परचम लहराया।

अलसुबह 5बजे के लगभग में 10,000 फीट की ऊंचाई पर खेलकर को आयोजित लगातार इंटरनेशनल मैराथन 3.0 ने जीत, जुनून और जज्बे की नई मिसाल पेश की। 'रन अक्रॉस द फ्लाइओवर्स' थीम के तहत आयोजित इस मैराथन में देश-विदेश के 6,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। 42 किलोमीटर मैराथन में महिला वर्ग सरस्वती राय ने पहला स्थान पाया जबकि पुरुष वर्ग में सिकंदर सिंह लठवाल ने खिताब का परचम लहराया। इस आयोजन ने न सिर्फ खेल के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया, बल्कि एक एकता, साहस और आत्मबल का भी प्रतीक बनकर उभरा। आत्मनगर प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, जो इस दिनों लगातार की व्यस्तताओं के बावजूद इस मैराथन के दौरान धावकों को शुभकामनाएं दीं।मैराथन को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित प्रेसवार्ता (सोमवार) लेफ्टिनेंट जनरल कमीर सिंह ने अन्य वरीय सैन्य अधिकारियों –मेजर जनरल पंकज सिंघल, ब्रिगेडियर अमित सिंघल और रेड हॉर्न डिवीजन के ब्रिगेडियर सविता चमोर जोक किया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल सक्षेत ने कहा, लगातार मैराथन आपके आस में पुनिक है। यहां ऊंचाई को चुनौती है, लेकिन उससे भी ऊंचा है प्रतिभागियों का जोश। सिंह ने कहा, इस मैराथन में देश और विदेश से आए धावकों ने हिस्सा लिया है। यह अंतर्राष्ट्रीय लगाव वाले सुदृढ़ता, अनुशासन और एकता का संदेश दुनिया तक पहुंचाते है। पहले और दूसरे मैराथन से जबरदस्त उत्साह पैदा हुआ है।



27.10.25_1.09.25 Final.qxd 10/27/2025 2:09 AM Page 9

श्रद्धा दास की सीरीज सर्च:

द नैना मर्डर केस की सफलता के बाद IMDB रैंक में भारी उछाल पर प्रतिक्रिया



अभिनेत्री श्रद्धा दास इस समय सफलता और सेलिब्रेट की लहर पर सवार हैं। उनकी सीरीज, सर्च : द नैना मर्डर केस में उनके काम ने उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय IMDb की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पर पहुँचा दिया है। यह पैन इंडिया स्टार अब शाहरुख खान, सलमान खान, जाह्नवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोरवा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई है। अपनी IMDb रैंक में इस महत्वपूर्ण उछाल के बारे में बातचीत अभिनेत्री ने आगा अंतहकर्ण व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरी एक दोस्त ने मुझे फोन नहीं भेजा और 15 से 4 पर जाने के बारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी। सीरीज में रक्षा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च : द नैना मर्डर केस सीरीज में मेरा रक्षा का किरदार मुझे इतनी से इतना प्यार दिलाएगा। मैं आभारी महसूस कर रही हूँ। और सीरीज भी सुन्दीहर है।।। IMDb चार्ट्स पर एक सपना हुआ सच! इंडस्ट्री के बड़ा नामों के साथ सूचीबद्ध होना अभिनेत्री के लिए एक बड़ी बात है, जिन्होंने मुख्य रूप से हिंदी भारतीय सिनेमा (नेपुण, तमिल, मलयालम, और कन्नड़ फिल्मों) के साथ साथ कुछ हिंदी और बंगाली प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है। अपने करियर को दर्शाते हुए, श्रद्धा ने साझा किया, मैं सालों से इन अभिनेताओं को देखती आई हूँ, और पिछले कुछ महीनों में लोग से मिले सम्मान को पाना है। श्रद्धा ने आगे कहा, लेकिन सुर्खी में रहना एक मानसिक से परे है।

मैं लंबे समय से काम कर रही हूँ, लेकिन अविश्वास मुझे लगा हमेशा मिल रहा है। जब उससे लोकप्रियता में अचानक आए उछाल के संभावित कारण के बारे में पूछा गया, जो नेटफ्लिक्स पर सेलिब्रिटी प्रोफाइल के पेज व्यू को मापता है, तो दास ने अनुमान लगाया कि इस सीरीज की पहुँच और अलग-अलग भाषाओं में किए गए इसके काम ने इसमें एक बड़ी भूमिका निभाई है। क्षेत्रीय दर्शकों के प्रेम को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा, हाँ, शायद यही कारण हो सकता है। उन्होंने कन्नड़, तेलुगु, कन्नड़ और बंगाली दर्शक भी इसे अपनी उस भाषाओं में देखकर देखे होंगे। लेकिन मुझे हिंदी दर्शकों से भी इतने सारे संदेश मिल रहे हैं। यहाँ तक कि उड़िया और कन्नड़ के लोगों से भी। उन्होंने सभी को अपने अंतर्राष्ट्रीय पहुँच को धन्यवाद किया।

आभार व्यक्त करते हुए एक सार्वजनिक संदेश में, श्रद्धा दास ने अपने प्रशंसकों को उनके समर्थन और चाहना के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, मैं बहुत ही अभिभूत और कृतज्ञ हूँ। मैं सभी से इस अविश्वसनीय यात्रा को देखने के लिए सम्मान की बात है। श्रद्धा ने आगे कहा, लेकिन सुर्खी में रहना एक मानसिक से परे है।

अभिनेत्री अपनी हिलस्पे आगे 2 और तिल तो ताड़ है जो में अपने अभिनय के लिए जानी जाती है और उनकी वर्सेटाइल रेंज उनके काम को सहती हुई वैश्विक और बहु-सांस्कृतिक अपील का प्रमाण है।



अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने रचा इतिहास

भारतीय मनोरंजन जगत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। उर्वशी रौतेला ने यह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया- यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तीन पर एक, एक अरब व्यूज के करीब पहुँच रहे हैं, जो सिनेमा जगत में एक अभूतपूर्व उपलब्धि बनाते हैं। इससे पहले ही, यश ने सिर्फ गलती, बल्कि इतने कम समय में यह उपलब्धि हासिल करके पहली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं।यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक उन्माद, अथकादम्य स्क्रीनउपस्थिति और बेजोड़ स्क्रीन इंटेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के एकदम दूसरे छोर तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय एप्पम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेजी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं—ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पोड्डियों व रीलमेकों के पार जोश भरते हैं।

ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल पीढ़ियाँ ही ध्यान को तय करती हैं, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुँचाया है जहाँ पहुँचना बहुतों के लिए असंभवसा होता है। एक सुना प्रतिभा से अपनी दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली मनोरंजन आईकॉन बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं-ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह भारतीयों बदल रही है, महिला कलाकारों के लिए मंच मजबूत कर रही है और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही है।



राहुल गांधी पर भड़कीं प्रमोरिको सिंगर मैरी मिलबेन, बोलीं- वह भारत के लिए सही नेता नहीं हैं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-रूस तेल व्यापार को लेकर एक बयान दिया था, जिसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भड़क उठे थे। इसे लेकर अमेरिका की मशहूर सिंगर मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कांग्रेस नेता को करारा जवाब दिया था। यहीं जानकारी करते हुए उन्होंने एक बार फिर से राहुल गांधी को घेरा। बातचीत में राहुल गांधी को लेकर मैरी मिलबेन ने कहा, मैं यहाँ सावधानी हूँ कि वह भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति है। वह साबित हो चुका है, क्योंकि जैसा पहले भी कहा है, राहुल गांधी को चुनौती दी है, और फिर से चुनौती दी है। लोगों के वोट को लेकर अमेरिका और भारत दोनों ही जगहों पर एक जैसे ही है। लोगों ने तीन बार उन्हें साबित किया है कि जैसा मोदी भारत के लिए सबसे अच्छे हैं। उन्होंने कहा, उनकी खुद की पसंद की जगह से राहुल गांधी भारतीय नेतृत्व के लिए सही व्यक्ति नहीं है। मैं खुश अपनी सीमेंट नहीं हूँ कि ये चीजें कैसे होती हैं। मैं हमेशा से स्टेज पर परफॉर्म ही रही थी। मेरी टीम के लोगों ने मुझे बताया कि राहुल गांधी को लेकर जो मैंने बोला, उसकी किसी चर्चा हो रही है। जैसा कि मैंने कहा कि वह भारत के लिए सही नेता नहीं हैं। वह अपना ज्यादातर समय अमेरिका आते रहते हैं और जब भी वह यहां आते हैं, भारत के बारे में गलत बातें बोलते हैं। मुझे नहीं समझ आता है कि यह देश का नेतृत्व करने की उम्मीद भी कैसे कर सकते हैं।

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' में परेश रावल को नहीं लगा दम

बॉलीवुड के सीनियर एक्टर परेश रावल ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्हें अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' का हिस्सा बनने का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके पीछे की वजह है? वहीलिए जानकारी बताते हैं। रेस ने उन्हें डायरा उन्हीहीत नहीं किया जिसमें निर्माता ने। एक इंटरव्यू में परेश रावल ने बताया कि 'दृश्यम 3' को उन्होंने उन्हें बेहद पसंद आई, लेकिन उनका रोल उनके मुताबिक नहीं था। उन्होंने कहा, मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था, लेकिन जो रोल ऑफर हुआ, उसमें मजा नहीं आया। सिंपल! बहुत सहजता थी, यह अब किरदार से खुद को जोड़ न पाए तो काम करने का आनंद नहीं आता। 'दृश्यम 3' में एक बार फिर अजय देवगन और तिब्बू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं, सबसे इसका निर्माण कुमार मंगत के बैनर तले हो रहा है। पार्ट 2015 की सुपरहिट 'दृश्यम' और 2022 में रिलीज हुई 'दृश्यम 2' की अगली कड़ी है। दीलचस्प है कि अजय देवगन की 'दृश्यम' 2013 की मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है, जिसमें मोहनलाल मुख्य भूमिका में थे। दिलचस्प बात यह है कि 'दृश्यम 3' का मलयालम संस्करण भी एक साथ बनाया जा रहा है। मोहनलाल इस दिनों अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं हिंदी टीम को तैयारियों में जोरों पर है। खास बात ये 'दृश्यम 3' के रोलर रिलीज को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिंदी रीमेक के प्रोड्यूसर कुमार मंगत ने फिल्म को रिलीज डेट 2 अक्टूबर 2026 घोषित कर दी, वहीं मलयालम टीम निर्देशक जीतू जोसफ और निर्माता एंटनी पेरुमबूर इससे नाराज हो गए। बताया जाता है कि दोनों टीमों के बीच एक समझौता है कि हिंदी टीम किसी भी योजना से पहले मूल मेकर्स की अनुमति लेगी।



कशिका कपूर की सहज खूबसूरती ने 'पिच टू गेट रिच' स्क्रीनिंग पर चुराया सबका ध्यान



कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लमहा सिर्फ फैशन तक सीमित नहीं रहता — वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और सहज शक्ति का प्रतीक। ऐसा ही कुछ हुआ जब कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराजी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में पावरफुल स्टेटमेंट बन गया — फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए।अब तक तो चुके लोगों से कशिका अपने सिग्नेचर अंदाज में रेड कार्पेट पर चलती नजर आती हैं — आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामैटिक अंदाज, न कोई बनावट — बस एक सहज आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके ऐस्टाल लिट आउटफिट की तारीफ कर रहा था, वहीं यह साफ दिख रहा था कि बात सिर्फ कपड़ों की नहीं थी — बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस अभिनेत्री के रूप में पेश किया जो जानती है कि वो कौन है और कहां जा रही है। हर फ्रेम में उनके सहज की झलक थी — एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की खासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है — ग्लैमर के बीच भी जमीन से जुड़े हुई। वायरल होने के बावजूद, जो खुद को सन्नाई से पेश करती है — आत्मविश्वास और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ दिखने के लिए नहीं हैं — बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। अपने अगले वायरल मोमेंट्स और खास प्रोजेक्ट्स के साथ, यह वायरल पल किसी भी चीजने वाली बात से ज्यादा एक प्रस्तावना है — उस सितारों की, जिसकी चमक अब और भी तेज होने वाली है।

इंडस्ट्री से समर्थन न मिलने से निराश हैं विष्णु विशाल

तमिल सिनेमा इंडस्ट्री के एक अभिनेता और सिनेमा निर्माता ने इंडस्ट्री से लोगों के समर्थन की कमी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया है कि उन्हें उनकी पहर फिल्मों के लिए निर्माता नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया। अपनी आगामी फिल्म आर्यन के प्रेस-लिमिटेड कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने बताया कि तमिल सिनेमा में अपने सहयोगियों से उनको कैसे शिकायत है?



चार फिल्मों के लिए नहीं मिले निर्माता

इस तिल अभिनेता को कहा कर रहे हैं वह विष्णु विशाल है। उन्होंने कहा, मैं इंडस्ट्री में पहचान न मिलने की बात कर रहा था। मैं इससे खुश नहीं हूं। मैं अपने सपनी प्रोजेक्टस को हरी झंडी दिखाने के लिए एक-दो साल से काम कर रहा हूं। विष्णु विशाल ने वेनेलु वेण्णेला पेक्षाटकारण, गट्टा कुस्ती और एफआईआर: फैसल इब्राहिम हुंडा जैसी फिल्मों के नाम लिए और बताया कि इन प्रोजेक्टस को शुरू करने के लिए उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा मेरी फिल्म गट्टा कुस्ती के लिए छह निर्माताओं ने अंतिमी समय में मना कर दिया था। वेनेलु वेण्णेला पेक्षाटकारण के लिए मैं चार निर्माताओं के पास गया और एफआईआर: फैसल इब्राहिम सहित के लिए तीन निर्माता पीछे हट गए।

खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया

विष्णु विशाल ने कहा कि यही वजह है कि उन्होंने अपनी फिल्मों के लिए निर्माता बनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं बस यह बताना चाह रहा था कि एक स्वतंत्र के तौर पर मैंने अंदर जाह दर्द और उठापटक है। इसीलिए मैंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। एक बार जब मैंने प्रोडक्शन का काम संभाल लिया, तो मुझे इस फिल्म को रिलीज करने और फिर से पर्दे पर लाने में बस एक साल लगा।

मुझे फोन नहीं करते कलाकार

उन्होंने आगे कहा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मुझे किसी एक व्यक्ति से कोई शिकायत नहीं है। जब मेरी फिल्म रिलीज होती है और सफल होती है, तो मैंने देखा है कि जिन अभिनेताओं को मैं व्यक्तिगत कहता हूं, उनमें से किसी ने भी मुझे व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के लिए एक बार भी फोन नहीं किया।

कानूनी मुसीबत में घिरीं बिग बॉस फेम तान्या मित्तल

पोटाश गन चलाने के आरोप में शिकायत दर्ज, जांच के आदेश जारी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपने बयानों और लाइफ स्टाइल को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है और इस बार वजह उनकी कोई टिप्पणी नहीं है।

रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपनी दिग्गदिखने को लेकर चर्चा बटोरने वाली तान्या मित्तल के खिलाफ ग्वालियर में शिकायत दर्ज हुई है। एएनआई, तान्या पर पोटोश गन चलाने का आरोप है, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। तान्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आयात होने के बाद उनके खिलाफ यहने में शिकायत दर्ज कराई गई है। खबर ही एएनआई को मोप की गई है। फिलहाल एएनआई ने इस मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं।

शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

इस दिनों बिग बॉस 19 में कंटेंट प्रतिभागी नजर आ रही तान्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे रिक्त कारों में दिख रही हैं। अभिनेता कॉमेल तौर पर काकोड़ग गन चलाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद हमला हो गया और उनके खिलाफ यहने में शिकायत दर्ज कराई गई है। ग्वालियर निवासी विभूषण सिंह कुशवाह ने एएनआई से शिकायत की है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ट्विटर और कलेक्टर दतिया चौहान द्वारा लागू 163 बीएनएस के बावजूद लाखों प्रतिबंधात्मक आदेशों का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

क्या है वीडियो की सच्चाई?

तान्या के खिलाफ शिकायतकर्ता का कहना है कि वीडियो में तान्या मित्तल काकोड़ग गन चलाते हुए नजर आ रही हैं। जिसके इलेक्ट्रान पर ग्वालियर कलेक्टर बैन लगाया है।

वहीं, इस वीडियो को लेकर कहा गया है कि यह कीने वर्ष पानी साल 2024 का है। फिलहाल कलेक्टर मनिका चौहान के आदेश पर जांच की जांच चल रही है।

क्या है पूरा मामला?

मध्य प्रदेश में काकोड़ग गन चलाने से अब तक 300 से अधिक लोगों की आंखों की रोशनी पर खतरा मंडरा रहा है। सरकार की ओर से इस गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी बीच तान्या का कथित तौर पर काकोड़ग गन चलाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इसी के चलते उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। कहा जा रहा है कि आगे जांच में पाया गया कि यह वीडियो कीने समय का है तो समझा है कि उनके खिलाफ एफआईआर न हो, क्योंकि पोटाश गन पर प्रतिबंध लगा है से लगाया गया है।